■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष–8 अंक – 13)
पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 01 मई ,2023

▶ मुर्दा कैसे देगा मजिस्ट्रेट के सामने पेश होकर जवाब ?

▶ बनारस की सैर व गंगा आरती का ले आनंद

▶ अच्छे बुरे किरदारों में अभिनय के प्राण

लुधियाना में गैस रिसाव से दो बच्चों समेत 11 की मौत,एनडीआरएफ और फॉरेंसिक टीम मौके पर मौजूद

नई दिल्ली।पंजाब के लुधियाना के ग्यासपुरा में जहरीली गैस लीक हो गई है। इस हादसे में अब तक दो बच्चों समेत कुल 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। घटना के बाद से ही इलाके में अफता तफरी का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने इलाके में घेराबंद की है।

पंजाब के लुधियाना में रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया जहां एक जहरीली गैस रिसाव होने से 11 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में कुछ बच्चे भी शामिल है। वहीं कई लोग बेहोश हैं जिन्हें अस्पताल ले जाया गया है। मरने वालों की संख्या को लेकर लुधियाना की डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर सुरभि मलिक पुष्टि कर चुकी है।इस घटना के बाद से ही इकाले में अफता तरफी का माहौल बना हुआ है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने पूरे इलाके को सील कर दिया है वहीं अब किसी को भी घटना स्थल पर जाने की अनुमति नहीं दी गई है। पुलिस ने इलाके में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया है जिसके बाद लोगों को घरों से निकालकर सुरक्षित स्थान पर भेजा जा रहा है। बता दें कि पुलिस ने लोगों की सुरक्षित निकासी के लिए ड्रोन की भी मदद ली है ताकि पुलिस पता कर सके कि छतों या घरों के अदंर लोग फंसे ना हो।

जानकारी के मुताबिक घटना लुधियाना के ग्यासपुरा में एक दुकान से गैस लीक हो गई, जिसके बाद अचानक भगदड़ मचने लगी।कई लोग गैस लीक होने की जानकारी मिलने पर दूर खड़े हो गए। वहीं पुलिस को सूचना मिलने के बाद पुलिस और दमकल विभाग की गाड़ियां घटना स्थल पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया ताकि फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला जा सके।

रेस्क्यू करने के लिए एनडीआरएफ की टीम भी घटना स्थल पर पहुंची है।टीमें मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। पुलिस का कहना है कि गैस लीक होने के सोर्स और कारण का पता लगाया जा रहा है, जिसके बारे में जल्द ही जानकारी मिलेगी। वहीं फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी मौके पर पहुंच चुकी है और घटना की पड़ताल में जुटी है।

मल्लिकार्जुन पर जमकर बरसे योगी पीएमका अपमान राष्ट्र का अपमान है

इन दिनों कर्नाटक में विधानसभा चुनावों की पूरी तैयारियां हो रही है। चुनाव के लिए पार्टियां लगातार पार्टी के दिग्गज नेताओं के दौरे और जनसभाएं करवा रही है। कर्नाटक में 10 मई को चुनाव होने है, जिसमें अब काफी कम समय शेष बचा है। ऐसे में सभी पार्टियों ने अपनी पूरी ताकत चुनाव प्रचार में झोंकी हुई है।

इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कर्नाटक के दौरे पर है। यहां उन्होंने कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए विवादित बयान पर जमकर पलटवार भी किया है। उन्होंने खरगे द्वारा की गई विवादित टिप्पणी की जोरदार आलोचना की है। उन्होंने कहा कि क्या इस उम्र में खरगे को ये शोभा देता है? ये दिखाता है कि कांग्रेस हार रही है और उनके पुत्र की जमानत जब्त हो रही है। प्रधानमंत्री का अपमान राष्ट्र का अपमान होता है। ये भारत का अपमान करते हैं। भारत की 140 करोड़ जनता का अपमान करते हैं। भारत का अपमान करने वाले किसी व्यक्ति को हमें स्वीकार नहीं करना चाहिए। गौरतलब है कि ये बयान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कर्नाटक के कलबुर्गी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दिया है।

न्यूज संक्षिप्त

पुणे में एक करोड़ रुपये से अधिक की मेफेड्रोन बरामद, दो गिरफ़्तार

पुणे। पुलिस ने महाराष्ट्र के पुणे जिले के खराड़ी इलाके में दो लोगों के पास से 1.21 करोड़ रुपये मूल्य की मेफेड्रोन (एमडी) जब्त की है। एक अधिकारी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इसे लेकर चंदन नगर थाने में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस उपायुक्त (अपराध) अमोल जेंडे ने बताया कि मध्यप्रदेश के रतलाम से आए दो लोगों के कब्जे से 1.21 करोड़ रुपये मूल्य का 108 ग्राम एमडी बरामद किया गया। उन्होंने कहा कि आगे की जांच चल रही है।

युद्ध विराम के बावजूद सूडान में जारी है लड़ाई

सूडान। सूडान की सेना ने राजधानी खार्तूम में बड़े पैमाने पर हमले करने के लिए टैंक और भारी तोप तैनात कर दिए हैं। युद्ध विराम को 72 घंटे बढ़ाए जाने के बावजूद हवाई और ज़मीनी हमले जारी हैं. सेना ने लोगों से अपने घरों के अंदर रहने और खिड़कियों से दूर रहने की अपील की है। सेना ने कहा है कि वो राजधानी खार्तूम के चारों ओर से हमले कर रही है। सेना की कोशिश है कि युद्ध विराम होने के बावजूद प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेस द्वारा कब्ज़ा किए गए क्षेत्रों को फिर से हासिल किए जाएं।पड़ोसी देश दक्षिण सूडान की सरकार का कहना है कि वो अभी भी दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों के बीच शांति वार्ता कराने की कोशिश कर रही है। सूडान के पूर्व प्रधानमंत्री अब्दुल्ला हमदोक ने दोनों पक्षों के बीच संवाद के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक एकीकृत प्रयास करने की अपील की है। हमदोक ने कहा है कि यह एक मूर्खतापूर्ण लड़ाई है, जिसे कोई भी पक्ष नहीं जीत सकता। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई के कारण उनके देश की हालत सीरिया और लीबिया से भी ख़राब हो सकती है। उनके अनुसार, यदि यह लड़ाई आगे भी जारी रही तो यह पूरी दुनिया के लिए एक दुस्वप्न साबित होगा। सूडान में पिछले दो हफ़्ते से जारी इस लड़ाई में सैकड़ों लोग मारे गए हैं, जबकि दसों हज़ार लोग देश छोड़कर चले गए हैं।

पश्चिम बंगाल में पकड़ा गया अलकायदा का एक और आतंकी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अलकायदा के एक और आतंकी को गिरफ़्तार किया है। उसका नाम नानू मियां है। एसटीएफ के एसपी आईपीएस इंद्रजीत बसु ने शनिवार सुबह इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज ही सुबह के समय उसे हावड़ा से गिरफ़्तार किया गया है। 40 साल का नानू मियां मूल रूप से कूचबिहार जिले के दिनहटा का रहने वाला है। पिछले साल अगस्त महीने में थाने में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। उसी सिलसिले में नानू को पकड़ा गया है।

उसके खिलाफ यूएपीए की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।पिछले मंगलवार को पश्चिम बंगाल पुलिस की एसटीएफ मे हुगली जिले के दादपूर से एक और आतंकी नसीमुद्दीन को गिरफ़्तार किया था। उसे भी शासन थाने में दर्ज प्राथमिकी के सिलसिले में हीं पकड़ा गया था। उससे लगातार पूछताछ हो रही थी।

उसने बताया था कि कोरोना के समय जब पूरी दुनिया में लॉक डाउन चल रहा था तब नसीमुद्दीन ने अपने नेटवर्क का विस्तार किया था और कई लोगों का ब्रेन वाश कर आतंकी गतिविधियों में शामिल किया था। उसी से पूछताछ के बाद नानू मियां के बारे में जानकारी मिली थी ।

कर्नाटक इलेक्शन:

प्रियंका ने आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाने का किया वादा

खानापुर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को कहा कि अगर उनकी पार्टी कर्नाटक विधानसभा चुनाव में सत्ता में आती है, तो बड़े आंगनवाड़ी केंद्रों की महिला कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाकर 15,000 रुपये प्रतिमाह, जबकि लघु–आंगनवाड़ी केंद्रों की कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाकर 10,000 रुपये कर दिया जाएगा। वाद्रा ने कहा कि पार्टी मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) का मानदेय बढ़ाकर 8,000 रुपये प्रतिमाह और मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के लिए काम करने वाली महिलाओं का मानदेय बढ़ाकर 5,000 रुपये प्रतिमाह करेगी।

महाराष्ट्र की सीमा से सटे बेलगावी जिले में यहां एक जनसभा में कांग्रेस नेता ने कहा, ''हमारी पार्टी ने मुख्य आंगनवाड़ियों में मेरी बहनों के लिए मानदेय 15,000 रुपये प्रतिमाह और लघु आंगनवाड़ियों में महिलाओं के लिए मानदेय बढ़ाकर 10,000 रुपये प्रतिमाह करने का फैसला किया है। आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाकर 8,000 रुपये प्रतिमाह किया जाएगा और मध्याह्न भोजन के लिए काम करने वालों को 5,000 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे।''

वाद्रा ने मुख्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को उनकी सेवानिवृत्ति पर या दुर्घटना के कारण मृत्यु होने की स्थिति में उनके नामित को तीन लाख रुपये और लघु आंगनवाड़ियों में काम करने वालों को दो लाख रुपये देने का वादा भी किया। उन्होंने भाजपा सरकार पर उसके झूठ और धोखे के लिए निशाना साधते हुए कहा, ''इसने राज्य में इतना खराब शासन किया कि इसे 40 प्रतिशत कमीशन सरकार का तमगा मिल गया।'' कर्नाटक में 10 मई को मतदान होगा, जिसके नतीजे 13 मई को घोषित किए जाएंगे।

महाराष्ट्र के भिवंडी में हुआ भयानक हादसा, इमारत गिरने से छह की मौत

ठाणे। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी में ढही दो मंजिला इमारत के मलबे से रविवार दोपहर एक और व्यक्ति का शव बरामद किए जाने के साथ मृतकों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। हादसे के 24 घंटे बाद भी राहत और बचाव अभियान जारी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मनकोली के वलपाड़ा स्थित वर्धमान कंपाउंड में दो मंजिला इमारत शनिवार को अपराह्न करीब पौने दो बजे ढह गई। इमारत के भूतल और पहली मंजिल पर गोदाम थे, जबकि ऊपरी मंजिल पर चार परिवार रहते थे। ठाणे महानगरपालिका के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) के प्रमुख अविनाश सावंत ने बताया कि अब भी कई लोगों के फंसे होने की आशंका है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम एवं दमकलकर्मियों समेत विभिन्न एजेंसी के कर्मी बचाव अभियान में जुटे हैं। अधिकारी ने कहा कि जिस व्यक्ति का शव रविवार पूर्वाह्न साढ़े 10 बजे मलबे से निकाला गया, उसकी पहचान सुधाकर गवई के रूप में हुई है, जबकि दोपहर में मलबे में मृत पाए गए व्यक्ति की पहचान 22 वर्षीय प्रवीण चौधरी के रूप में हुई। इससे पूर्व, नारपोली थाने के वरिष्ठ निरीक्षक मदन बल्लाल ने बताया कि सुनील पीसा (38) नाम के एक व्यक्ति को रविवार सुबह करीब आठ बजे मलबे से निकाला गया और उसे भिवंडी के इंदिरा गांधी मेमोरियल (आईजीएम) अस्पताल ले जाया गया।

गोदाम में लोडिंग व अनलोडिंग के लिए आए एक कंटेनर व दो टेंपो भी मलबे में दब गए। सावंत ने कहा कि यह इमारत खाद्य उत्पाद कंपनी की है। उन्होंने कहा, ''घटना में अपनी मां को खोने वाले दो भाइयों सहित दस लोगों का उपचार किया जा रहा है। दस दमकल गाड़ियों, एंबुलेंस, ट्रक और अर्थमूविंग मशीन को भी राहत बचाव अभियान में लगाया गया है।'' महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस घटना को ''बेहद दुर्भाग्यपूर्ण'' करार दिया और शनिवार देर रात दुर्घटनास्थल का दौरा करने के साथ भिवंडी के आईजीएम अस्पताल में इलाज करा रहे घायलों से भेंट की।

भिवंडी के पुलिस उपायुक्त नवनाथ धावले ने बताया कि इमारत के मालिक इंद्रपाल पाटिल के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, हालांकि उसे अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। महानगरपालिका के एक अधिकारी के अनुसार, इमारत लगभग 10 साल पुरानी थी और हाल में इसकी छत पर लगाए गए एक मोबाइल टावर का यह भार नहीं उठा सकी। मुख्यमंत्री शिंदे ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने ठाणे के जिलाधिकारी अशोक शिनगारे और अन्य अधिकारियों को जिले में 'सबसे खतरनाक' घोषित ढांचों का तुरंत सर्वेक्षण कराने और मॉनसून की शुरुआत से पहले उनमें रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है।आईजीएम अस्पताल में शिंदे ने दो भाइयों, प्रेम रविकुमार महतो (7) और प्रिंस रविकुमार महतो (5) की स्थिति के बारे में जानकारी ली, जिन्होंने इस घटना में अपनी मां ललिता देवी (26) को खो दिया। मुख्यमंत्री ने अन्य घायलों के बारे में भी पूछताछ की। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है, जबकि घायलों के इलाज का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी।

संबलपुर हिंसा पर अफवाहें फैलाने को लेकर हिरासत में लिए गए 16 लोग रिहा

संबलपुर/झारसुगुड़ा।ओडिशा के संबलपुर शहर में इस महीने हनुमान जयंती की शोभायात्रा के दौरान हुई हिंसा के बाद सोशल मीडिया पर भड़काऊ संदेश फैलाने के आरोप में हिरासत में लिए गए 16 लोगों को रिहा कर दिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इन लोगों को चेतावनी देने के बाद रिहा कर दिया गया है और इनसे शपथपत्र लिए गए हैं कि वे भविष्य में ऐसी गतिविधियों में शामिल नहीं होंगे।संबलपुर के पुलिस अधीक्षक बी गंगाधर ने शनिवार को पत्रकारों से कहा, ''नफरत भरे संदेश साझा करते पाए गए लोगों से पूछताछ की गई तथा उन्हें आगाह किया गया। हमने दो सोशल मीडिया समूहों के एडमिन को सदस्यों को इस तरह के संदेश साझा करने देने को लेकर आगाह किया।''गंगाधर ने कहा, ''इन लोगों को पीआर बॉन्ड पर हस्ताक्षर कराने के बाद रिहा कर दिया गया है। हमने एक सोशल मीडिया निगरानी प्रकोष्ठ बनाया है ।

मानहानि का मामला: वकील ने हाईकोर्ट से कहा, 'राहुल ने कोई जघन्य अपराध नहीं किया'

अहमदाबाद।गुजरात हाईकोर्ट ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा दायर मानहानि के एक मामले में अपनी दोषसिद्धि पर रोक लगाने की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि 'उन्हें अपने द्वारा दिए गए बयानों के प्रति सचेत रहना चाहिए और सीमा के भीतर बनाए रखना चाहिए।' उनके वकील ने अदालत में कहा कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कोई जघन्य अपराध नहीं किया है। राहुल गांधी के वकील, वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी, जो कांग्रेस नेता भी हैं, ने अदालत में तर्क दिया कि उनके मुवक्किल ने कोई जघन्य अपराध या नैतिक अधमता से जुड़ा कोई अपराध नहीं किया है, जो सजा के निलंबन से इनकार करने के लिए पर्याप्त हो।आपराधिक मानहानि के एक मामले में राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक के लिए गुजरात उच्च न्यायालय में याचिका पर सुनवाई जारी है। यह मामला कर्नाटक के कोलार में 2019 की एक रैली से जुड़ा है, जहां राहुल गांधी ने कहा था -नीरव मोदी, ललित मोदी, नरेंद्र मोदी।सभी चोरों का उपनाम 'मोदी' कैसे हो सकता है? इस टिप्पणी के कारण सूरत के भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा दायर किया।

सिंघवी ने यह भी तर्क दिया कि मानहानि का मुकदमा ही चलने योग्य नहीं था और शिकायत दर्ज करने में शिकायतकर्ता पूर्णेश मोदी के ठिकाने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि वास्तव में राहुल गांधी ने जिन लोगों के नाम लिए, वे ही आपराधिक मानहानि का मामला दर्ज करा सकते हैं, लेकिन उनमें से किसी ने भी शिकायत दर्ज नहीं कराई थी।सिंघवी ने यह भी कहा कि आपराधिक मानहानि की कार्यवाही को सही ठहराने के लिए साक्ष्य अधिनियम या सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत कोई सबूत पेश नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि एक भाषण के मामले में कोई गवाह होना चाहिए जो इसे सुना हो और प्रमाणित कर सके। सिंघवी ने कहा, लेकिन इस मामले में कोई भी गवाह इस श्रेणी में नहीं आता है। सिंघवी ने यह भी तर्क दिया कि राहुल गांधी को दोषी ठहराने के लिए ट्रायल कोर्ट द्वारा जिन मामलों पर भरोसा किया गया था, उनमें दुष्कर्म और हत्या जैसे गंभीर और जघन्य अपराध शामिल हैं, लेकिन उन मामलों में भी सजा पर रोक लगा दी गई थी, तब इस इस मामूली मामले में सजा पर रोक क्यों नहीं लगाई जा सकती।

उन्होंने कहा कि पहली अपील के चरण में कथित आपराधिक मानहानि का राहुल गांधी का मामला नैतिक अधमता या गंभीर अपराध की श्रेणी में नहीं आता है और वास्तव में यह एक जमानती अपराध है, जो बड़े पैमाने पर समाज के खिलाफ नहीं है। सजा पर रोक लगाने से इनकार करने वाले सत्र न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए सिंघवी ने तर्क दिया कि इससे राहुल गांधी और केरल में वायनाड के उनके मतदाताओं को अपरिवर्तनीय नुकसान होगा, जहां से वह लोकसभा के लिए चुने गए थे। उन्होंने कहा कि अगर दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगाई गई, तो राहुल गांधी को अपने राजनीतिक करियर के 8 साल गंवाने पड़ेंगे।

बारसू रिफाइनरी परियोजना का विरोध कर रहे ग्रामीणों ने शरद पवार से मुलाकात की

मुंबई।महाराष्ट्र के तटीय जिले रत्नागिरी के बारसू गांव में प्रस्तावित तेल शोधन कारखाना (रिफाइनरी) का विरोध कर रहे ग्रामीणों के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार से मुंबई में मुलाकात की। बारसू और आसपास के लोगों का एक गुट प्रस्तावित रिफाइनरी परियोजना का विरोध कर रहा है। उनको डर है कि रिफाइनरी से तटीय कोंकण क्षेत्र की जैव विविधता को नुकसान होगा और उनकी आजीविका भी प्रभावित होगी।गत शुक्रवार को प्रस्तावित परियोजना स्थल पर तनाव उस समय बढ़ गया, जब प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े।पवार ने ट्वीट किया कि सत्यजीत चव्हाण के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने यहां वाईवी चव्हाण सेंटर में उनसे मुलाकात की। बैठक के दौरान राकांपा नेता और राज्य के पूर्व मंत्री जितेंद्र आव्हाड भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि गत शुक्रवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने घोषणा की थी कि स्थानीय लोगों की सहमति के बिना परियोजना का क्रियान्वयन नहीं किया जाएगा।राकांपा के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने शनिवार को कहा था कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि विकास परियोजनाओं से पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं पहुंचे। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से अपील की थी कि वह सभी हितधारकों से चर्चा करे और यथासंभव सर्वश्रेष्ठ समाधान निकाले। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शनिवार को दावा किया था कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच प्रस्तावित रिफाइनरी परियोजना को लेकर समन्वय नहीं है।शिवसेना (यूबीटी) प्रदर्शनकारियों का समर्थन कर रही है।

देश में कोरोना वायरस संक्रमण के 4,282 नए मामले

नयी दिल्ली। देश में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण कह्य 4,282 नए मामले सामने आए वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 47,246 रह गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकडों से यह जानकारी मिली है। सुबह आठ बजे के अद्यतन आंकडों के अनुसार संक्रमण से 14 और लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 5,31,547 हो गई है।

वहीं, संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनर्मिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से जान गंवाने वाले मरीजों की सूची में छह नाम और जोड़े हैं। रविवार को देश में संक्रमण के 5,874 मामले सामने आए, वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या 49,015 थी।

सोमवार को दैनिक संक्रमण दर 4.92 प्रतिशत रही वहीं साप्ताहिक संक्रमण दर चार प्रतिशत रही। कोरोना वायरस संक्रमण के कुल मामले 4.49 करोड़ पर पहुंच गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार उपचाराधीन मामले संक्रमण के कुल मामलों का 0.11 प्रतिशत है वहीं संक्रमण से ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.71 प्रतिशत है। आंकडों के अनुसार संक्रमण से ठीक होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,43,70,878 हो गई है। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार देशव्यापी टीकाकरण अभियान की शुरुआत से अब तक टीकों की कुल 220.66 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं।

संपादकीय

नासूर बनते नक्सली

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में एक बार फिर हुए नक्सली हमले के निष्कर्ष साफ हैं कि सरकारों के दावों के बावजूद नक्सलियों की ताकत पूरी तरह कम नहीं हुई है। यह भी कि बार–बार बड़ी संख्या में जवानों को खोने के बावजूद हमने अतीत की घटनाओं से कोई सबक नहीं सीखे हैं। संचार क्रांति के दौर में मुकाबले के लिये उपलब्ध संसाधनों व हथियारों के बावजूद हम यदि उनके हमलों का आकलन नहीं कर पा रहे हैं तो यह हमारे खुफिया तंत्र की विफलता का भी परिचायक है। दरअसल, सफल ऑपरेशन करके लौट रहे रिजर्व बल के जवानों का बारूदी सुरंग की चपेट में आना बताता है कि यह नक्सलियों की हताशा से उपजा हमला ही है। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में देश के कई इलाकों में सुरक्षाबलों के साझे अभियानों में नक्सलियों को बड़ी क्षति हुई है। कई बड़े नक्सली नेताओं के खात्मे और गिरफ्तारी के बाद उनकी गतिविधियों का इलाका सिमटा जरूर है, लेकिन खत्म नहीं हो पाया है। निस्संदेह, पुलिस प्रशासन के सामने यह एक बड़ी चुनौती है, जिसका मुकाबला करने के लिये बहुआयामी रणनीति बनाने की जरूरत है। पुलिस व कानून अपना काम करेंगे, लेकिन कोशिश हो कि नक्सलियों का जनाधार कम किया जाये। विकास के मॉडल की विसंगतियों के चलते जिन इलाकों में विकास की रोशनी नहीं पहुंच पायी है, वहां सामाजिक न्याय के अनुकूल वातावरण बने। लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने के लिये अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत है। जिससे स्थानीय लोग नक्सलियों के प्रवाह व दबाव से मुक्त हो सकें। लोगों को समझाना होगा कि लोकतंत्र में गनतंत्र की कोई जगह नहीं है। ऐसा माहौल बनाया जाये कि हमारे समाज के भटके लोगों से संवाद की कोशिश को तार्किकता दी जा सके। अन्यथा यह हिंसा व प्रतिहिंसा का सिलसिला अनवरत जारी रहेगा। जाहिर है समस्या के समाधान के लिये राजनेताओं में भी दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत है। तभी दशकों पुराने इस नासूर का रिसना बंद हो सकेगा।

बहरहाल, दंतेवाड़ा में हुए इस हालिया हमले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर मंथन किये जाने की जरूरत है। यह भी कि नक्सल प्रभावित इलाकों में किसी ऑपरेशन को चलाये जाने से पहले अभियान के तमाम सुरक्षा मानकों का पूरी तरह से पालन किया जाये। जिससे अपने जवानों की क्षति को रोका जा सके। साथ ही खुफिया तंत्र को मुस्तैद बनाने और स्थानीय पुलिस बल के साथ बेहतर तालमेल करने की भी जरूरत है। तभी जवान ऐसे अभियानों में ऊंचे मनोबल के साथ लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। जाहिर है यह केंद्र व राज्य सरकारों के साथ बेहतर तालमेल से ही संभव होगा। यदि राजनीतिक कारणों से राज्यों की सरकारें अपेक्षित सहयोग नहीं करती हैं तो उनके लिये भी कानून–व्यवस्था का संकट देर–सवेर पैदा होगा ही। निस्संदेह, ये नक्सली न केवल राज्यों की कानून–व्यवस्था को ताक पर रख रहे हैं बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा के लिये भी खतरा बन रहे हैं। रिजर्व फोर्स के दस जवानों की मौत इस बात की जरूरत भी बताती है कि उन्हें केंद्रीय सुरक्षा बलों की रणनीति व आधुनिक हथियार तथा उपकरणों के जरिये सुरक्षा कवच प्रदान किया।

विदेशों में भारतीयों की सफलता में हमारे संस्कारों का सबसे अहम योगदान है

भारतीय मूल के अमेरिकी माता-पिता अपने बच्चों में बचपन में ही, बच्चों के रुझान को पहचान कर उसी क्षेत्र में उनका कौशल विकसित करते हैं ताकि बच्चे भविष्य में उसी क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकें। साथ ही, भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक अपने बच्चों का पूरा ध्यान रखते हैं एवं बच्चों की गतिविधियों पर भी पूरी नजर रखते हैं ताकि उनके बच्चे किसी गलत राह पर न चल पड़ें। वे अपने बच्चों में बचपन में ही महान सनातन हिंदू संस्कृति, संस्कारों, परज़पराओं एवं विरासत का संवर्धन करते हैं। भारत में समस्त धर्मों को मानने वाले नागरिक आपस में मिलजुल कर रहते हैं, अतः अमेरिका में भी भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक बहुत संतोषी, शांतिप्रिय, मेहनती, अपने इरादों में पक्के एवं अपनो से बड़ों का आदर करने वाले पाए जाते हैं, वे किसी भी प्रकार के वाद विवाद से अपने आप को दूर ही रखना पसंद करते हैं।

अमेरिकी जनगणना ब्यूरो (यूएस सेंसस ब्यूरो) द्वारा अमेरिका में निवास कर रहे विभिन्न देशों के मूल के अमेरिकी नागरिकों की औसत आय एवं अन्य कई मानदंडों पर जारी की गई जानकारी के अनुसार अमेरिका में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों की वार्षिक औसत आय 119,858 अमेरिकी डॉलर है, जो अमेरिका में निवासरत समस्त अन्य देशों के मूल के अमेरिकी नागरिकों की औसत आय में सबसे अधिक है। दूसरे क्रमांक पर ताईवान मूल के अमेरिकी नागरिक आते हैं जिनकी वार्षिक औसत आय 95,736 अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। इसी प्रकार चीनी मूल के अमेरिकी नागरिकों की वार्षिक औसत आय 81,497 डॉलर, जापानी मूल के अमेरिकी नागरिकों की वार्षिक औसत आय 80,036 एवं अमेरिकी मूल के गोरे नागरिकों की वार्षिक औसत आय 65,902 आंकी गई है। इसी प्रकार, गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे अमेरिकी मूल के नागरिकों की संख्या अमेरिका की कुल जनसंख्या का 13 प्रतिशत है, एशिया के समस्त देशों का औसत 10 प्रतिशत है जबकि भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों में केवल 6 प्रतिशत नागरिक ही गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों का दबदबा पाया गया है। वर्ष 2021 के जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, 25 वर्ष की आयु की कुल जनसंख्या में से 33 प्रतिशत अमेरिकी मूल के नागरिक स्नातक स्तर तक शिक्षा प्राप्त करते हैं, जबकि भारतीय मूल के 25 वर्ष की आयु के अमेरिकी नागरिकों में 80 प्रतिशत नागरिक स्नातक स्तर की शिक्षा प्राप्त करते हैं। इनमें से 49 प्रतिशत भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों ने व्यावसायिक डिग्री (डॉक्टर, इंजीनियर, प्रबंधन) प्राप्त की थी जबकि अमेरिकी मूल के केवल 13 प्रतिशत नागरिकों ने व्यावसायिक डिग्री प्राप्त की थी।

अमेरिकी मूल के कई नागरिक स्नातक स्तर तक की शिक्षा प्राप्त करने पर भारी खर्च करने के उपरांत भी उच्च आय वाले क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त नहीं कर पाते हैं। जबकि अधिकतर अमेरिकी नागरिकों का सोचना है कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु उन क्षेत्रों को चुना जाना चाहिए जिससे स्नातक डिग्री प्राप्त करने हेतु किए गए खर्च को उच्च निवेश की श्रेणी में परिवर्तित कर उच्च आय वाले क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त किया जा सके। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों द्वारा व्यावसायिक डिग्री प्राप्त करते समय उक्त बात पर विचार किया जाता है। इसी कारण से 36 प्रतिशत भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक इंजीनीयरिंग के क्षेत्र में, 35 प्रतिशत गणित एवं कम्प्यूटर साइंस के क्षेत्र में एवं 10 प्रतिशत व्यवसाय एवं प्रबंधन के क्षेत्र में व्यावसायिक डिग्री प्राप्त करते हैं। कुल मिलाकर, अमेरिका में निवास कर रहे अप्रवासी नागरिकों में से 37 प्रतिशत नागरिक इंजीनीयरिंग, साइंस एवं प्रबंधन के क्षेत्र में व्यावसायिक डिग्री हासिल कर पाते हैं एवं अमेरिकी मूल के 43 प्रतिशत नागरिक परंतु भारतीय मूल के 79 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक इन विधाओं में व्यावसायिक डिग्री प्राप्त करते हैं। अमेरिका में चूंकि उद्योग एवं कृषि के क्षेत्र में रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध ही नहीं हैं अतः अमेरिकी मूल के नागरिक सेवा के क्षेत्र में सबसे बड़ी संख्या में कार्य करते हैं। इन क्षेत्रों में वेतन तुलनात्मक रूप से बहुत कम मात्रा में प्रदान किया जाता है। अमेरिका में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों की संख्या अमेरिका की कुल जनसंख्या का केवल एक प्रतिशत है परंतु अमेरिका में प्रारम्भ की जा रही उच्च तकनीकी कम्पनियों के निर्माण में 8 प्रतिशत भागीदारी भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों की है। साथ ही, अमेरिका में प्रारम्भ किए जा रहे कुल स्टार्ट–अप में से 33 प्रतिशत स्टार्ट–अप भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों के सहयोग से प्रारम्भ किए जा रहे हैं। यह समस्त संस्थान बहुत सफल भी हो रहे हैं। इससे भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों की बिलिनायर्स (100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति) के रूप में संख्या भी तेजी से बढ़ती जा रही है। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक श्री जय चौधरी की सम्पत्ति 830 करोड़ अमेरिकी डॉलर आंकी गई है, इसी प्रकार श्री विनोद खोसला की सम्पत्ति 530 करोड़ अमेरिकी डॉलर, श्री रोमेश वाधवानी की सम्पत्ति 510 करोड़ अमेरिकी डॉलर, श्री राकेश गंगवाल की सम्पत्ति 400 करोड़ अमेरिकी डॉलर, श्री नीरज शाह की सम्पत्ति 280 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं श्री अनिल भुरसी की सम्पत्ति 230 करोड़ अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। यह सूची बहुत लम्बी है। जब अमेरिका में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों की उल्लेखनीय सफलता के पीछे कारण खोजने का प्रयास किया जाये तो निम्नलिखित कारण ध्यान में आते हैं। भारतीय संस्कारों के अनुसार, भारतीय माता–पिता अपने बच्चों के लिए अपने हितों का त्याग करते पाए जाते हैं। भारतीय माताएं अपने व्यावसायिक कार्य के प्रति जुनून को अपने बच्चों के हित में त्याग देती हैं। इसी प्रकार, भारतीय पिता अपने व्यवसाय में अपने बच्चों के हित में कई प्रकार के समझौते करते हैं। अतः भारतीय माता पिता के लिय अपने बच्चों का लालन पालन सबसे बड़ी प्राथमिकता बन जाती है। भारतीय माता पिता अपने जीवन के व्यस्ततम पलों में भी सबसे उत्कृष्ट समय अपने बच्चों के विकास पर खर्च करते हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों द्वारा अपने बच्चों को अमरीका में अभी भी भारतीय संस्कारों के अनुसार ही पाला पोसा जाता है।

भारतीय माता–पिता अपने बच्चों में बचपन में ही विश्वास का भाव जगाते हैं। वे स्वयं भी अपने बच्चों पर विश्वास करते हैं एवं उन्हें भी समाज के अन्य वर्गों के प्रति विश्वास करना सिखाते हैं। बच्चों में विकसित किए गए इस विश्वास के चलते माता–पिता अपने बच्चों के सबसे अच्छे मित्र बन जाते हैं एवं बच्चे अपने माता पिता के साथ अपने जीवन की समस्त बातों को साझा करने में डरते नहीं हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक, अमेरिका में भी संयुक्त परिवार के रूप में एक ही मकान में रहते हैं। इससे इनके पारिवारिक व्यवसाय को विकसित करने एवं तेजी से तरक्की करने में बहुत आसानी होती है। साथ ही, संयुक्त परिवार के रूप में रहने से तुलनात्मक रूप से पारिवारिक खर्चे भी कम होते हैं। अमेरिका में वैवाहिक जीवन के मामले में भी भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक बहुत संतुष्ट एवं सुखी पाए जाते हैं। इसे शादी के बाद दिए जाने वाले तलाक सम्बंधी आंकड़ों के माध्यम से आंका गया है। अमेरिका में सबसे अधिक तलाक की दर अमेरिकी काले नागरिकों के बीच 28.8 प्रतिशत है, अमेरिकी गोरे नागरिकों के बीच यह 15.1 प्रतिशत है, परंतु भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों के बीच यह केवल 1.3 प्रतिशत है (हालांकि कुछ सूर्वे में यह 6 प्रतिशत भी आंकी गई है), जो कि समस्त अन्य देशों के नागरिकों के बीच सबसे कम दर है। यह भारतीय संस्कारों का ही परिणाम है। भारतीय माता पिता अपने बच्चों को भारतीय सामाजिक मान्यताओं से बचपन में ही परिचित कराते हैं एवं वे अपने बच्चों को अपने नाते रिश्तेदारों एवं जान पहिचान के परिवारों में विभिन्न आयोजनों में भाग लेना सिखाते हैं एवं इनसे सम्बंध स्थापित करना सिखाते हैं।

हाई प्रोफाइल पॉलिटिक्स के शिकार हुए बृजभूषण शरण सिंह..!

मैने पिछले विश्लेषण में भी लिखा था कि अगर आप भारत के लचर और कमजोर कानून और न्याय व्यवस्था का फायदा नहीं उठा सकते तो आप निहायत सीधे या फिर निहायत बेवकूफ है। हमारे देश में आरोप प्रत्यारोप लगाकर किसी को ब्लैकमेल किया जा सकता है क्योंकि कानून इसकी छूट देता है आपको। खासकर महिलाओं को और दलितों को विशेष छूट है कि वह बगैर किसी सबूत और शिष्टता के किसी को भी अंदर करा सकते है। और आजकल तो नया ट्रेंड है कि जब किसी का कुछ भी न उखड़ पा रहा हो तो उसे 'यौन शोषण' के आरोप में फंसा दो, फिर सपोर्ट करने के लिये तो पूरा पॉलिटिक्स खड़ा हो ही जायेगा। लड़कियों के लिये अपना काम निकालने के लिये उनका शरीर सबसे आसान हथियार है और काम न निकल पाने पर कुंठा में बदला लेने के लिये तो तुरूप का इक्का है क्योंकि बाद में कानून भी कुछ इस तरह उनकी मदद करता है कि वो अबला/बेचारी/पीड़ित/शोषित तो स्वतः ही नजर आने लगती है बाकी बची हुयी सहानुभूति की कमी को पूरा करती है उनको रोने की, मुंह बनाने की, अदायें दिखाने को मिली कुदरती नेमत। एक सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार पुरूषों का भी शोषण होता है, महिलायें ही करती है और खुद को गोल्ड डिगर कहलवाने में बड़ा गर्व भी फील करतीं है 'कि हां हम अपने भविष्य की सुरक्षा देख कर ही अपने निर्णय लेंगे अब तुम्हें जो सोचना हो सोचो, तुम्हें हम गोल्ड डिगर लगते है तो हां है हम गोल्ड डिगर।' वो खेलतीं है पुरूषों की भावनाओं से, जो पहाड़ से सब्र और मजबूती का पुरूष उनके प्रेम में कभी बच्चा बन गया होता है वो उसका भी बड़ी स्मार्टली यूज करके, उसे फिजीकल, इमोशनल, फाइनेंशियल हर तरह से चूस कर निकल जातीं है और सेटल हो जाती है फिर किसी नये शिकार के साथ फिर वही मीठी बातें, वहीं नखरीली अदायें, वैसी ही इंस्टा पोस्ट्स और वैसा ही शोषण। जी हां शोषण क्योंकि जबतक उनका काम निकल रहा है वो उनकी 'फकिंग प्राइवेट लाइफ/सेक्सुअल लाइफ' है फिर काम निकल जाने के बाद

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

वो खेलतीं है पुरूषों की भावनाओं से, जो पहाड़ से सब्र और मजबूती का पुरूष उनके प्रेम में कभी बच्चा बन गया होता है वो उसका भी बड़ी स्मार्टली यूज करके, उसे फिजीकल, इमोशनल, फाइनेंशियल हर तरह से चूस कर निकल जातीं है और सेटल हो जाती है फिर किसी नये शिकार के साथज फिर वही मीठी बातें, वहीं नखरीली अदायें, वैसी ही इंस्टा पोस्ट्स और वैसा ही शोषण।

या कोई बेहतर मिल जाने के बाद वहीं सबकुछ एक नया नाम पा जाता है जिसे नाम दिया जाता है 'शोषण' पुरूष? वो इन लड़कियों का शिकार होकर भी इस पुरूष प्रधान समाज में आवाज तक नहीं उठाता क्योंकि लोग हसेंगे उसपर। मर्दानगी के झूठे दंभ में वो सब कुछ झेल कर सख्त बनें रहने का ढोंग करता है और वो लड़की/महिला जानती है कि वो हर तरह से सेफ है क्योंकि अव्वल तो उसके खिलाफ़ आवाज उठेगी ही नहीं और उठ भी गयी तो खुद को ही विक्टिम बना कर परोस देगी और बाकी काम तो कानून कर ही देगा। हां बाल यौन शोषण का नाम सुना है? उसमें लड़को का भी शोषण होता है और लड़कियों से कम नहीं होता सबसे ज्यादा करतें है पारिवारिक करीबी और रिश्तेदार। मुझे इस बारे में कोई आकड़े नहीं परोसने सब उपलब्ध है इंटरनेट पर, अब ये समाज की कड़वी हकीकत है जिसे दबे मुंह सब स्वीकार करने लगे है और जिनके साथ हुआ है उनकी तो खैर अलग ही बात है। पुरूषों के साथ हो रहे इसी पक्षपाती रवैये के चलते काफी समय से भारत में महिला आयोग की तर्ज पर पुरूष आयोग की मांग हो रही है। सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ वकील और एक्टिविस्ट क्षमा शर्मा ने दैनिक जागरण के संपादकीय में काफी पहले एक लेख लिखा था जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय महिला आयोग के आंकड़े देकर यह बताया था कि अप्रैल 2013 से जुलाई 2014 तक दुष्कर्म के जितने मामले दर्ज कराए गए उनमें से 53.2 प्रतिशत मामले झूठे पाए गए और इस वजह से अपने देश में हर वर्ष औसतन 94 हजार पुरुष आत्महत्या करते हैं। यह संख्या औरतों के मुकाबले छह प्रतिशत अधिक है। सोचिये ये दस वर्ष पुराने आकड़े ही कितने भयावह है और तबसे अब तक यौन शोषण के आरोप लगाने के फैशन में कितनी वृद्धि हो गयी है। खैर यह एक बेहद पेचीदा मामला है जिस पर गंभीर चर्चा और अलग से विस्तृत लेख लिखने की आवश्यकता है पर अभी बात करतें हैं यौन शोषण के आरोप और उनके राजनीतिक इस्तेमाल पर। पिछले कुछ सालों के बड़े नाम का जिक्र करियें जिनके काम या राजनीति काफी अच्छी चल रही थी पर अचानक से उन पर यौन शोषण का आरोप थोप कर उनका सर्वस्व खत्म कर दिया गया और वे या तो अब चर्चा से बाहर है, या कानूनी लड़ाई लड़ रहे है या फिर जेल में है।

आसाराम बापू से शुरू करते है जब वो कन्वर्जन के खिलाफ़ बड़े स्तर पर काम कर रहे थे। उन आदिवासियों, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी जाते थे जहां पर तात्कालिक सरकारें भी नहीं जाती थी और मिशनरीयां चावल के बोरे पहुंचा रही थी। वहाँ आध्यात्म, हिंदुत्व और योग का प्रचार कर रहे थे, अनाज शिक्षा और साहित्य पहुंचा रहें थे कि अचानक से शाहजहांपुर की एक लड़की नें दिल्ली में जीरो एफआईआर दर्ज कराई, कागजी तौर पर खुद को नाबालिक सिद्ध किया और उनको सबसे जटिल कानून पॉस्को में आरोपित कराया। जोधपुर में घटना का होना बताया, एफआईआर की पहली कोशिश शाहजहांपुर में फिर दिल्ली में जीरो एफआईआर और मध्य प्रदेश से गिरफ्तारी। लड़की की मेडिकल रिपोर्ट में रेप की पुष्टि नहीं हुयी तो गलत तरह से छूना भी अपराध की श्रेणी में रखा गया क्योंकि लड़की ने खुद को नाबालिक बताया था।

हॉरर फिल्म 'बेरा–एक अघोरी' को सभी सिनेमाघरों में मिली बम्परओपनिंग

इस सप्ताह रिलीज हुई फिल्मों में निर्माता राजू भारती की हिंदी फ़िल्म 'बेरा– एक अघोरी' भी शामिल है हालांकि कई फिल्में इस हफ्ते में सिनेमाघरों में प्रदर्शित की गई हैं जिनमें ऐश्वर्या राय बच्चन अभिनीत मणि रत्नम की फ़िल्म 'पीएस 2' और मिथुन चक्रवर्ती के बेटे नमोशी चक्रवर्ती और अमरीन की डेब्यू फ़िल्म 'बैड बॉय' शामिल है। वहीं सलमान खान की फ़िल्म 'किसी का भाई किसी की जान' भी सेकन्ड वीक में चल रही है। उसके बावजूद अखिल भारतीय स्तर पर रिलीज की गई फिल्म 'बेरा– एक अघोरी' को सिनेमाघरों में बेहतरीन ओपनिंग मिली है।

फ़िल्म के प्रोड्यूसर राजू भारती बधाई के हकदार हैं क्योंकि उन्होंने नए आर्टिस्ट्स पर भरोसा रखा और स्क्रिप्ट को ही हीरो माना। यह हॉरर थ्रिलर फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों में लाने पर मजबूर कर रही है। हॉरर फिल्म होने के बावजूद इस फ़िल्म में संदेश दिया गया है किसच्चाई की अंत में जीत होती है। कर्णप्रिय गीतों का समावेश भी इस फिल्म का प्लस पॉइंट हैं जिन्हें नक्काश अज़ीज़, शाहिद माल्या और वैशाली ने आवाज़ दी है। फ़िल्म के लेखक शक्ति वीर धिराल, निर्देशक प्रेम धिराल, म्युज़िक डायरेक्टर प्रेम शक्ति, कैमरामैन रौशन खड़गी हैं। इस फिल्म के मुख्य कलाकार प्रेम धिराल, शक्ति वीर धिराल और अभिनेत्री प्राजक्ता शिंदे हैं। देखा जाए तो प्रोड्यूसर राजू भारती की फ़िल्म 'बेरा– एक अघोरी' मनोरंजन का पूरा पैकेज है। फ़िल्म में रोमांस, थ्रिल, रहस्य के साथ थिरकने वाला संगीत भी है। फ़िल्म में एनिमेशन और वीएफएक्स का भी भरपूर प्रयोग हुआ है। फ़िल्म को ऑडियो लैब मीडिया कारपोरेशन ने रिलीज किया है। कुल मिला कर फ़िल्म देखने लायक है और दमदार कहानी की वजह से और माउथ पब्लिसिटी की वजह से इसे खूब लोकप्रियता मिलने वाली है।

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

संशोधित गैंगस्टर एक्ट 2021 @ बचके रहना रे बाबा !

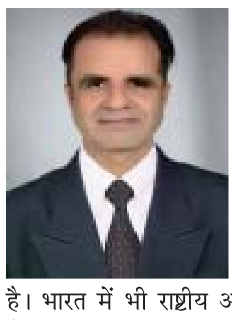

गोंदिया। वैश्विक स्तरपर अपराधों की विभिन्न श्रेणियों पर लगाम लगाने के लिए हर देश में राष्ट्रीय व राज्य स्तरपर अनेक कानून, नियमावली, विनियम, नियम बनाए जाते हैं जिसके बलपर उन अपराधिक श्रेणियों पर नियंत्रण किया जाता है। भारत में भी राष्ट्रीय और राज्य स्तरपर माफियाओं गैंगस्टर, आतंकवादियों, संगठित अपराधों को रोकने के लिए राष्ट्रीय स्तरपर आईपीसी तथा राज्यों के स्तरपरगैंगस्टर एक्ट, मकोका, यूपी मकोका, दिल्ली मकोका, टाडा जो महाराष्ट्र में प्रतिबंधित किया जा चुका है, सहित अनेकों कानून उन क्षेत्रों राज्यों में अपराध किस्म और विभिशक्ता गंभीरता को देखते हुए बनाए जाते हैं। कुछ दिनों पूर्व हमने दो माफियाओं जो पूर्व सांसद विधायक भी थे, को इन एक्ट में मिली सजा के बाद पुलिस हिरासत में हत्या और अभी दिनांक 29 अप्रैल 2023 को दो माफिया भाइयों को जो पूर्व में विधायक और संसद तथा अभी एक वर्तमान संसद भी है, उन्हें एमपी एमएलए कोर्ट द्वारा गैंगस्टर एक्ट के तहत 10 वर्ष और 4 वर्ष की सजा सुनाई गई है। जिसमें सांसद की सदस्यता भी समाप्त होने की संभावना है। हालांकि यह सजा अपराध के 16 साल बाद सुनाई गई है जो पूर्व में भी बरी हो चुके थे। अभी यूपी गैंगस्टर एक्ट 2021 में संशोधन कर विस्तृत अधिकार सुनिश्चित किए गए हैं, इसका दायरा भी बढ़ाया गया है परंतु यह तब तक असर नहीं करेगा जब तक मजबूत सबूतों से समृद्ध चार्जशीट् प्लस सभी हित धारकों की कर्मठ सहभागिता नहीं होगी, जबकि अब समय आ गया है कि हर मतदाता को यह सुनिश्चित करना होगा कि आपराधिक छवि वाले व्यक्ति को लोकतंत्र के मंदिर में पहुंचने से स्ट्रिक्टली संकल्प लेकर रोकने में मतदान ने ताकत दिखाएं जिसपर आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से इलेक्ट्रॉन मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम 29 अप्रैल 2023 को एमपी एमएलए कोर्ट से आए फैसले की करें तो, गैंगस्टर से नेता बने पूर्व विधायक को गैंगस्टर एक्ट के 14 साल पुराने एक मामले में 10 साल कैद और पांच लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। जबकि उसके बड़े भाई बसपा सांसद को चार साल की सजा और एक लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है, इसके कुछ दिन पूर्व भी दो माफिया जिनमें एक संसद और एक विधायक रह चुका हे को सजा मिली हुई थी। साथियों बात अगर हम गैंगस्टर के मतलब को समझने की करें तो, धारा 2 (बी) एक गैंग को व्यक्तिगत रूप से या सामूहिक रूप से कार्य करने वाले व्यक्तियों के एक समूह के रूप में परिभाषित करता है, जो सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करने या कोई अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए हिंसा या धमकी के माध्यम से, असामाजिक गतिविधियों में लिप्त हैं। प्रावधान में ऐसी असामाजिक गतिविधियों की सूची भी शामिल है। इसमें हत्या, बलात्कार, हमला, अपहरण, जबरन वसूली, आपराधिक धमकी और धोखाधड़ी जैसे अपराध शामिल हैं. इसमें सार्वजनिक रूप से भय पैदा करना या आतंक पैदा करना और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने के लिए दूसरों को हिंसा का सहारा लेने के लिए उकसाना भी शामिल है। एक गैंगस्टर को एक गैंग के सदस्य या नेता या आयोजक के रूप में परिभाषित किया गया है, और इसमें कोई भी व्यक्ति शामिल है जो गैंग की असामाजिक गतिविधियों में सहायता करता है, जैसा कि कानून के तहत सूचीबद्ध है।

साथियों बात अगर हम संशोधित गैंगस्टर एक्ट 2021 की करें तो, यूपी गैंगस्टर नियमावली में नए प्रवधान शामिल किए गए। जिसके तहत पहले संपत्ति जब्त करने का प्रावधान वैकल्पिक था और ऐसे मामलों के अनुसार अलग–अलग फैसले लिए जा सकते थे, लेकिन 2021 के नए प्रावधान के मुताबिक गैंगस्टर एक्ट में संपत्ति जब्ती तो ज़रूरी बनाने के साथ–साथ डीएम के अधिकार और बढ़ा दिए गए। नए प्रावधान के मुताबिक एक ही अपराध करने पर भी गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की जा सकती है। जबकि इससे पहले किसी आरोपी के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई करने के लिए दो या उससे अधिक मुकदमे होना जरूरी था। नए प्रावधान के अनुसार, अब आईपीसी की धारा 376डी यानी सामूहिक दुष्कर्म, 302 यानी हत्या, 395 यानी लूट, 396 यानी डैकती और 397 यानी हत्या कर लूट जैसे संगीन मामलों में भी गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की जा सकती है। यही नहीं, अब अगर कोई नाबालिग भी गंभीर अपराध करता है तो उसके खिलाफ भी डीएम की अनुमति से गैंगस्टर एक्ट लगाया जा सकता है। जबकि इससे पहले नाबालिग अपराधी इस कार्रवाई से बच जाते थे। नए प्रावधान के मुताबिक गैंगस्टर एक्ट के मामले में अब जांच अधिकारी को विवेचना के दौरान या चार्जशीट दाखिल करते समय संपत्ति जब्त किए जाने की रिपोर्ट भी देनी होगी। अगर जांच अधिकारी ये रिपोर्ट नहीं देगा तो डीएम इसकी वजह एसएसपी से पूछ सकते हैं. साथ ही ऐसे मामले में डीएम जांच के आदेश भी दे सकते हैं। नए प्रावधान के तहत अब गैंगस्टर एक्ट में निरुद्ध होने वाले अपराधी पर दर्ज सभी मामलों की जानकारी थानेदार को थाने के गैंग चार्ट में दर्ज करनी होगी. गैंगस्टर एक्ट के मामलों में कहीं कोई लापरवाही न हो इसके लिए डीएम हर 3 महीने में, कमिश्नर हर 6 माह में और अपर मुख्य सचिव (गृह) हर साल इसकी समीक्षा करेंगे। अगर गैंगस्टर एक्ट के तहत गलत कार्रवाई की गई है, तो अब उसे वापस भी लिया जा सकता है. जांच के दौरान डीएम उसे खारिजकर सकतेहैं।

साथियों बात अगर हम इस संशोधित गैंगस्टर एक्ट को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती की करें तो, 27 अप्रैल 2022 को देश की सबसे बड़ी अदालत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाने के मकसद से बड़ा फैसला सुनाया था, कि अगर किसी आरोपी के खिलाफ पहली बार मुकदमा दर्ज होता है।

एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिज़्मेदार होंगे।

- सज़्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ज़्लाक स्तर पर ज़्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सज़्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

समाज सेवी राजेश वर्मा को याद किया

दिलीप कुमार मिश्रा

कानपुर। अपने लिये तो दुनिया मे हर लोग जीवन जीते है जो जीवन दूसरो के लिये काम आये उसका अपना आनन्द होता है, ऐसी ही सोच रखने वाले छक्क सेवा के संस्थान के महामंत्री राजेश वर्मा को श्रध्दा सुमन अर्पित करते हुए उनकी दूसरी पुण्य तिथि मे उनके कार्य को याद किया।

वक्ता नन्दू शुक्ला, सोनू बाबा, जितेंद्र वर्मा, दिलीप कुमार मिश्रा ने उनके बताये गये मार्ग पर चलने की बात कही व सभी समाज सेवियो को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए, करोना समय मे उन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए सैकड़ो लोगो की जान बचाई। आज लाल बंगला मे शर्बत वितरण किया गया। इस कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से लोग मौजूद रहे।

स्व. पंडित श्याम बिहारी मिश्रा की द्वितीय पुण्यतिथि पर फल वितरण

कानपुर। कानपुर उद्योग व्यापार मंडल द्वारा व्यापारी स्व0 पंडित श्याम बिहारी मिश्रा की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर प्रातः कानपुर के कमलापति सिंघानिया अस्पताल बिरहाना रोड में व्यापार मंडल द्वारा फल वितरण का कार्यक्रम किया गया, तथा कानपुर के कई क्षेत्रों में व्यापारियों ने शरबत वितरण कार्यक्रम भी किया तथा ओरियंट होटल माल रोड कानपुर में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन भी किया गया जिसमें उपस्थित व्यापारियों ने व्यापारी हृदय सम्राट पंडित श्याम बिहारी मिश्रा को पुष्पांजलि अर्पित की व उनके बताए हुए रास्ते पर चलने का संकल्प भी लिया, प्रमुख रूप से मंडल के प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद स्वरूप मिश्रा ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा की पंडित श्याम बिहारी मिश्रा ने व्यापार मंडल के लिए सदैव संघर्ष किया जिसका परिणामहै कि आज व्यापार मंडल नगर और प्रदेश ही नहीं पूरे देश में व्यापारियों के लिए काम कर रहा है हम सब लोग उनको सच्चे मन से याद करें और उनके हुए बताए हुए रास्ते पर आगे चले यही उनके लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेश गुप्ता व कार्यक्रम का संचालन महामंत्री कृपाशंकर त्रिवेदी ने किया। आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मुकुंद स्वरूप मिश्रा, विजय पांडे टीकमचंद सेठिया नीरज दीक्षित लाला रामेश्वर गुप्ता ईश्वर वर्मा चंद्र प्रकाश उप्र, सतीश चंद गुप्ता, राकेश पांडे, अभिषेक दिक्षित, प्रदीप गुप्ता विनोद गुप्ता, विजय गुप्ता, रोशन लाल अरोड़ा, महेंद्र गुप्ता, दिनेश गुप्ता, रवि गुप्ता, रवि निषाद रामजी शुक्ला, राहुल दीक्षित, पवन दुबे, संजय त्रिवेदी, प्रदीप पांडे, पंकज अग्रवाल निर्मल त्रिपाठी आदि प्रमुख रूप से थे।

आम आदमी पार्टी : हाउस टैक्स हाफ, वाटर टैक्स माफ और शहर की गंदगी साफ का है वादा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। आम आदमी पार्टी की मेयर प्रत्याशी इस्मा जहीर ने पार्टी के प्रदेश व जिला पदाधिकारियों के साथ नगर निगम में महापौर पद पर नामांकन कराया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष उमेश यादव, निकाय चुनाव प्रभारी वंशराज दुबे, तिरंगा शाखा के अध्यक्ष आशुतोष सेंगर, जिला महासचिव के.पी. त्रिपाठी, मदनलाल भाटिया, संदीप शुक्ला, विपिन तिवारी, सोमनाथ पाल, इम्तियाज अहमद, निशा निगम, पुष्पा सिंह, एवम जयंती यादव आदि लोग साथ में रहे।

इस्मा जहीर ने नामांकन के बाद जनता को संबोधित करते हुए यह कहा कि इन चुनावों में आम आदमी पार्टी का हाउस टैक्स हाफ, वाटर टैक्स माफ और शहर की गंदगी साफ का वादा है जनता दिल्ली जैसी नगरीय व्यवस्था के लिए आम आदमी पार्टी को जिता कर काम करने का मौका जरूर देगी।

भाजपा के मंडल अध्यक्ष समेत छह को आजीवन कारावास

फतेहपुर। पचीस साल पहले मलवां थाना क्षेत्र के बकोली गांव में हुए सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड के मामले की अंतिम सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट नंबर एक की अदालत में हुई। जिसमें गवाहों के बयान व साक्ष्यों के आधार पर भाजपा के मंडल अध्यक्ष समेत छह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। भारतीय जनता पार्टी के मलवां मंडल के अध्यक्ष पंकज शुक्ल उर्फ गोला उर्फ गुड्डा समेत तीन सगे भाई महेश उर्फ पप्पू शुक्ला, मुन्ना उर्फ राजेश शुक्ला, राजू उर्फ राजेंद्र शुक्ला पुत्र गण विशेषर प्रसाद शुक्ल और भोने उर्फ जयप्रकाश, टिर्रू उर्फ रामप्रकाश पुत्रगण राजाराम को आजीवन कारावास की सजा सुना दी। साथ ही सभी अभियुक्तों को 28-28 हजार अर्थदंड की सजा सुना दी।25 साल पहले कि थी पिता-पुत्र की हत्याआपको बता दें, धान की नर्सरी चराने की रंजिश में मलवां थाने के बकोली गांव के विशेषर सिंह पुत्र शिवदुलारे व भानु प्रताप सिंह पुत्र विशेषर सिंह की 16 जुलाई 1998 को हमलावरों ने रात्रि में धावा बोलकर मौत के घाट उतार दिया था।

आ गये चुनाव नेता काव काव: राजीव मिश्रा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारत विकास परिषद किदवई नगर शाखा के तत्वावधान मे आज दायित्व शपथ ग्रहण समारोह व कवि सम्मेलन का आयोजन अग्रसेन भवन, किदवई नगर मे किया गया। जिसका शुभारंभ उमेश पालीवाल ने दीप प्रज्वलित करके किया। नये दायित्व शपथ ग्रहण समारोह मे मनोज कुमार बाजपेई को अध्यक्ष, आत्मा प्रकाश दीक्षित को सचिव, शिखा दादू को कोषाध्यक्ष, पंकज अग्रवाल को संगठन सचिव, अर्चना गोयल को महिला संयोजिका की शपथ दिलाई गई।

कवि सम्मेलन मे हास्य कवि हेमंत पाण्डेय ने पत्नी पर व्यंग कर

लोगो को ताली बजाने पर मजबूर किया। गीतकार राजीव मिश्रा ने आ गये चुनाव नेता कर काव काव पर, जनता को लुभाने वाले लाये सभी दाव पर कटाक्ष किया।

गीतकार धीरज सिंह चंदन ने मुकद्दर दो कदम आगे सदा फिर बढ़ के बोलेगा हास्य कवि दुर्गा बाजपेई ने जान न पहचान कोई करने लगे नमस्ते और प्रणाम तो समझो चुनाव आ गये पर नेताओ पर व्यंग किया।

कवियित्री नील श्रीवास्तव ने मुझको गजरे का फूल न समझो, अपने जीवन की भूल न समझो, मेरे माथे को चूम लो आकर, सिर्फ पैरो की भूल न समझो आदि प्रेम के गीत प्रस्तुत किए।

इस कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से एम एल अग्रवाल, प्रमोद दादू, मुकेश गुप्ता, अमित बाजपेई, शरद प्रकाश अग्रवाल, दिलीप कुमार मिश्रा, मनीषा अग्रवाल, के के द्विवेदी, इंदु अग्रवाल, अर्चना विश्नोई आदि लोग मौजूद रहे।

विकास की गति चलती रहे, सुन्दर कांड व हवन का आयोजन किया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। वार्ड-28 हरजिंदर नगर के एन टू रोड लाल बंगला मे भाजपा के कार्यालय मे राजीव महाना का भव्य स्वागत व अभिनन्दन किया गया। सुन्दर काड व हवन का आयोजन किया गया। लल्लू पंडित ने पूजा अर्चना का कार्यक्रम सम्पन्न कराया। विश्व हिन्दू परिषद के प्रान्तीय अध्यक्ष राजीव महाना ने फीता काट कर उद्घाटन किया।

इस बाबत राजीव महाना ने अपने सम्बोधन मे कहा पिछले 5 वर्ष से निरन्तर चल रहे विकास की गति को निरन्तर आगे बढाने के लिये भाजपा प्रत्याशी अशोक कुमार मेम्बर व महापौर प्रत्याशी प्रमिला पाण्डेय को वोट देकर विकास की गति को आगे बढ़ाने मे अपना अमूल्य योगदान वोट देकर करे। कार्यालय उद्घाटन के समय अशोक कुमार मेम्बर, सुमित बघावन, भारत गुजराल, संजय शर्मा, नन्दू शुक्ला, जग महेंद्र अग्रवाल, आदि नेफूलो की वर्षा कर स्वागत व अभिनन्दन किया। अशोक मेम्बर ने कहा कि विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना के कार्य को आगे बढ़ाने के हमे अपना अमूल्य मत देकर विजयी बनाये। हम पूरे वार्ड का कार्य बहुत मेहनत, लगन, ईमानदारी और कर्तव्य निष्ठा से करेंगे।

इस समारोह मे प्रमुख रूप से दिनेश शास्त्री, सुमित बघावन, बाबू राय, सनी जायसवाल, भारत गुजराल, सोनू बाबा, राजू जायसवाल, अमित साहू, अमित दुआ आदि लोग मौजूद रहे।

पुलिस टीम ने वारण्टी को किया गिरफ्तार

कानपुर। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट कानपुर नगर व पुलिस उपायुक्त दक्षिण जोन कमिश्नरेट कानपुर व अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिण कमिश्नरेट कानपुर, सहायक पुलिस आयुक्त बाबूपुरवा कमिश्नरेट कानपुर व थाना प्रभारी थाना किदवई नगर कमिश्नरेट कानपुर नगर के कुशल निर्देशन में अपराध व अपराधियों के नियंत्रण व वांछित व वारंटी गिरफ्तारी के अभियान के अर्न्तगत थाना किदवई नगर की पुलिस द्वारा वारण्टी मु0नं0 व अ0स0 धारा भादवि0 थाना किदवई नगर वारण्टी रज्रेश पुत्र शिव नारायण गुप्ता निवासी डी बगाही थाना बाबूपुरवा उम्र करीब 59 वर्ष को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही कर न्यायालय भेजा जा रहा है।

अधिकारियों का कुल हिंद जमीअतुल आवाम ने किया सम्मान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। त्योहार ईद सकुशल संपन्न होने पर हर साल की तरह इस वर्ष भी काजी ए शहर कानपुर ने कर्मठ पुलिस ऑफिसर का किया सम्मान, हमेशा सुर्खियों में रहने वाला शहर है, लाखों की संख्या में इकट्ठा होने वाले मुस्लिम भाइयों की ईद उल फितर की नमाज सकुशल संपन्न कराने पर, पुलिस आयुक्त बी पी जोगदंड व संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी के निर्देशन में महत्वपूर्ण त्यौहार ईद सकुशल संपन्न कराने के लिए, उनके रिश्तेदार ऑफिसर्स को चर्चित जनपद में सबे बारात होली आदि अन्य त्यौहार भी सकुशल संपन्न कराने में पुलिस कमिश्नरेट के कर्मठ सम्मानित पुलिस अधिकारियों को शहर काजी कानपुर साकिब अदीब व महबूब आलम खान द्वारा सम्मानित किया गया, ज्ञात हो कि कुल हिंद जमीअतुल आवाम के महामंत्री महबूब आलम खान द्वारा सद्भावना सम्मान, ईद मिलन का आयोजन कुली बाजार स्थित संस्था के कार्यालय पर किया गया जिसमें कानपुर कमिश्नरेट के उच्चाधिकारी व शहर के सम्मानित अमन कायम करने वाले नागरिकों बुद्धिजीवियों व्यापार मंडल के पदाधिकारी गणों का महत्वपूर्ण त्यौहार सकुशल संपन्न कराने को लेकर सम्मान किया गया। यह प्रोग्राम हर साल की तरह इस साल भी आयोजित किया गया शहर काजी कानपुर मुफ्ती साकिब अदीब व महामंत्री महबूब आलम खान द्वारा पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों एवं समाजसेवी को को शाल ओढ़ाकर माला पहनाकर मैमेंटो देकर सम्मानित किया गया जिसमें मुख्य रूप सेअपर पुलिस उपायुक्त प्रज्ञान राजेश कुमार श्रीवास्तव तथा एसीपी एल आई यू सूक्ष्म प्रकाश, शहर काजी कानपुर मुफ्ती साकिब अदीब महामंत्री महबूब आलम खान नायब शहर काजी कारी सगीर अलम हबीबी कारी अब्दुल मुत्तलिब इंस्पेक्टर अनवरगंज अशोक कुमार सरोज, एलआईयू संजीव दीक्षित, बादशाहीनाका सुभाष चंद्र आदि कई एसीपी व थानों के इंस्पेक्टर चौकी इंचार्ज चौकी प्रभारी लोहा मंडी अंकित मेघराज अरोड़ा आयरन एंड हार्डवेयर मर्चेंट एसोसिएशन वरिष्ठ समाजसेवी फिरोज खान कल्याणपुर व्यापार मंडल के नावेद खान इस्लाम खान आजाद मेहताब अंसारी वसीम खान मोहम्मद आरिफ अत्तारी रजवी अखलाक अहमद चिश्ती कानपुर वाले क्रांतिकारी संगठन अध्यक्ष आशीष मिश्रा शहीद ब्रिगेडियर उस्मान के कजन मोहम्मद अर्सलान शारिक सिद्दीकी हाफिज अनस जकी कुरैशी मोहम्मद सरताज वरुण सुलतानिया मौजूद रहे।

टीबी रोगी के संपर्क में आने वाले हर शख्स को टीपीटी पहल

अभी 5 वर्ष तक के बच्चों को ही दी जा रही थी टीपीटी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। टीबी यानि क्षय रोगी के संपर्क में आने वाले अब हर शख्स को टीबी प्रिवेंटिव थेरेपी (टीपीटी) दी जाएगी। अभी तक यह थेरेपी रोगी के परिवार के पांच साल से कम उम्र के बच्चों को ही दी जा रही थी। वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत इस पहल का उद्देश्य जनपद में टीबी के संक्रमण पर काबू पाना है। इसके लिए स्वास्थ्य अधिकारियों व कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया है। शीघ्र ही सीएचओ के प्रशिक्षण शुरू भी हो जाएंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक रंजन ने बताया कि पल्मोनरी टीबी में फेफड़े संक्रमित होते हैं। इसकी फैलने की आशंका रहती है। पल्मोनरी टीबी रोगियों के संपर्क में आए लोगों को टीपीटी दी जाएगी। इसके तहत क्षय रोग के परिवार के लोगों को छह माह तक क्षय रोग की प्रतिरोधी दवाएं आयु और वजन के हिसाब से दी जाएंगी। अभी तक यह थेरेपी सिर्फ पांच साल से नीचे वाले बच्चों को ही दी जा रही थी, लेकिन अब इसमें सभी आयुवर्ग के लोगों को शामिल किया गया है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एपी मिश्रा ने बताया कि टीपीटी उन लोगों को दी जाएगी जिनके परिवार के किसी भी सदस्य को सीबी नॉट, ट्रूनेट और माइक्रोस्कोपी की जांच में टीबी की पुष्टि हुई है। ऐसे लोगों के कुछ टेस्ट भी किए जाएंगे। जिनमें यह देखा जाएगा कि इनमें टीबी के लक्षण हैं अथवा नहीं हैं। लक्षण नहीं होने की स्थिति में भी टीपीटी चलेगी।

जिला कार्यक्रम समन्वयक राजीव सक्सेना ने बताया कि एक अनुमान के तौर पर भारत की कुल आबादी में 40 प्रतिशत लोगों के अंदर टीबी का बैक्टेरिया मौजूद है जो कुपोषण, बीमारियों और अन्य कारणों सेबहुत तेजी से शरीर में बढ़ता है जिससे शरीर में मौजूद टीबी का इन्फेक्शन क्षयरोग में परिवर्तित हो जाता है। यह बैक्टेरिया न बढे और लोग क्षयरोग का शिकार न हो इसके लिये टीबी थेरेपी कारगार है। इस थेरेपी का उद्देश्य टीबी के संक्रमण को कम करना है जिससे टीबी का इन्फेक्शन क्षयरोग में परिवर्तित होने से पहले ही समाप्त हो जाये। उन्होंने बताया की जिन मरीजों के बलगम में टीबी की पुष्टि होती है उन मरीजों के संपर्क में रहने वाले भी धीरे-धीरे इस रोग की गिरफ्त में आ जाते हैं। इस थेरेपी को लेने वालों में टीबी की संभावना नहीं रहेगी। उनका कहना है की जैसे परिवार नियोजन के लिये हम तमाम साधन अपनाते हैं वैसे ही क्षयरोग से बचाव के लिए हमे टीपीटी अपनाना है।

पूजा ने प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सत्ता दल के सशक्त सगे सम्बन्धी जो चाहे वह कर सकते हैं, उन्हें खुली छूट मिली होती है इस कारण पुलिस भी पीड़ित व्यक्ति की नहीं सुनती इसी तरह की घटना को अपनी वार्ता के जरिए व्यक्त करने आज 46, कंचन मार्ग नई सब्जी मंडी एन 2 रोड, लाल बंगला, थाना चकेरी निवासिनी पूजा कौर पुत्री स्व0 बलवीर सिंह ने कानपुर प्रेसक्लब में बताई उसने बताया कि प्रियम भाटला ने शादी का झाँसा देकर लगातार शारीरिक शोषण करता रहा। जब पूजा ने शादी करने का जोर दिया तो वह शादी करने से मनाकर दिया। इससे पूजा ने 11 सितम्बर को थाना चकेरी में धारा-376, 120 बी, 504, 506 आई0पी0सी0 में प्रियम भाटला, राजू भाटला, ज्योति भाटला व विमला रानी आदि के नाम मामला दर्ज कराया क्योंकि प्रियम ने पूजा का मानसिक और शारीरिक शोषण किया इसी पीड़ा से व्यथित होकर शिकायत दर्ज कराई।

अभियुक्तों ने कूटनीति व षड्यंत्र के तहत फ़र्ज़ी प्रपत्र बनाकर प्रार्थिनी के शादी होना विवेचक को बताया जिसे विवेचक द्वारा बिना मामले को संज्ञान में लिए बिना एफ आर लगादी उसने बताया कि प्रियम परिवार पर चकेरी के एक सशक्त सत्ताधारी दल के सदस्य का वरदहस्त प्राप्त है इसलिए पुलिस उनपर कार्यवाही करने से डर रही है। पूजा प्रसाशन से अपने लिए न्याय की मांग करती है।

शहर में जुमे की नमाज को लेकर पुलिस अलर्ट मोड पर दिखी, पीएसी की तैनाती

बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर में जुमे की नमाज को लेकर पुलिस अलर्ट मोड पर दिखी। शुक्रवार को शहर के संवेदनशील और अतिसंवेदनशील इलाके में पीएसी, पुलिस और सीसीटीवी व ड्रोन से निगरानी की गई। इसके साथ ही सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मी निगरानी करते रहे। सड़क पर ईद की नमाज पर एफआईआर को लेकर लोगों में आक्रोश है। इसके चलते पुलिस अलर्ट मोड पर रही। ईद के दिन सड़क पर नमाज पढ़ने को लेकर बजरिया, जाजमऊ और बाबूपुरवा थाने में दर्ज की गई थी। इस एफआईआर को लेकर लोगों में नाराजगी है। कुछ लोग माहौल बिगाड़ने की भी कोशिश कर रहे हैं। इसे देखते हुए कानपुर पुलिस भी अलर्ट मोड पर रही। शुक्रवार को जुमे की नमाज से पहले कानपुर के नई सड़क, बेकनगंज, चमनगंज, बाबूपुरवा, जाजमऊ, चकेरी समेत अन्य इलाकों में पुलिस अलर्ट मोड में दिखी। डीसीपी से लेकर थानेदार तक फोर्स के साथ रूट मार्च करते नजर आए। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर भी पुलिस की टीम नजर बनाए हुए थी। अगर कोई अफवाह फैलाने या लोगों को भड़काने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। शहर के सभी मिली-जुली आबादी वाले इलाकों में पुलिस का चप्पे-चप्पे पर पहरा रहा। इसके साथ ही पीएसी और आरएएफ की तैनाती की गई इसके साथ ही कानपुर के नई सड़क, चमनगंज, बेकनगंज, बाबूपुरवा, नौबस्ता मछरिया, जाजमऊ, रावतपुर गांव समेत अन्य इलाकों में सीसीटीवी और ड्रोन के जरिए भी पुलिस निगरानी बनाए रही। कोई भी माहौल बिगाड़ने का प्रयास करेगा तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उच्च अधिकारियों द्वारा धारा-144 का सख्ती से पालन करने का भी आदेश दिया गया।

उपेक्षा से क्षुब्ध जिलाध्यक्ष समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने दिया इस्तीफा

कानपुर। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन के जिला अध्यक्ष मोइनुद्दीन मनु ने कानपुर प्रेस क्लब में वार्ता करते हुए बताया बताया कि जिला कमेटी के सभी पदाधिकारी व सदस्य लगभग सैकड़ों कार्यकर्ताओं सहित प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली उत्तर प्रदेश के द्वारा नगर निगम के पार्षद प्रत्याशियों के चयन में टिकट बेचने, वफादार कार्यकर्ताओं की उपेक्षा किए जाने के कारण इस्तीफा दे रहे हैं। नेशनल प्रेसिडेंट असदुद्दीन ओवैसी को इस सामूहिक इस्तीफे की प्रति भेजी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह इस्तीफे का आंदोलन तबतक चलेगा जबतक शौकत अली को उसके पद से हटाया नहीं जाता। इस्तीफा देने वाले लोगों में जिलाध्यक्ष मोइनुद्दीन, प्रदेश उपाध्यक्ष तौफ़ीक़ अहमद, प्रचारक सोने लाल गौतम, जिलाउपाध्यक्ष नाज आलम, मोहोसिन खान, शब्बीर खान, नौशाद आलम साथ ही सैकड़ों कार्यकर्ताओं सहित इस्तीफा सौंपा।

भारतीय लघु कृषकों के बीच मन की बात की संदेशों से प्रेरणा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद किसानों की धारणा किसी विशेष तकनीक और अन्य संस्थागत संसाधनों को अपनाने का निर्णय अक्सर विभिन्न संचार माध्यमों द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले संदेशों से काफी प्रभावित होती है किसानों को संचार स्त्रोतों की विश्वसनीयता के बारे में आश्वस्त होने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में भारत के मा. प्रधानमंत्री जी द्वारा अलग-अलग एपिसोड में मन की बात कार्यक्रमों ने लघु कृषकों की धारणा को मजबूती प्रदान करने में एक प्रमुख प्रेरक के रूप में कार्य किया है। उदाहरण के लिए मन की बात तिलहन और दलहन के उत्पादन को बढ़ावा (जुलाई), प्रयोगशाला से खेतों तक तकनीकी का हस्तांतरण (अगस्त), जलवायु परिवर्तन अनुकूल (नवंबर), जैविक/प्राकृतिक खेती का अंगीकरण (नवंबर), एकीकृत कृषि प्रणाली का अंगीकरण(अगस्त), कृषि में नवाचार और आधुनिकीकरण(मई), मधुमक्खी पालन (जुलाई), मोटे अनाज का अंतराष्ट्रीय वर्ष मिले (जनवरी), मन की बात कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों को कृषि में चुनौतियों का सामना करने के लिए कुशल साधनों के रूप में आधुनिक ज्ञान, कृषकों को अग्रसर करना और संस्थागत संसाधनों तक उनकी बेहतर पहुंच और उपयोग को सक्षम करने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया गया है। लघु कृषकों द्वारा मन की बात के विभिन्न विषयों को सुनने के तरीकों और आवृत्ति पर एक प्रारंभिक मूल्यांकन किया गया मन की बात का कार्यक्रम ने कैसे कृषि खाद्य प्रणालियों को चमक गतिशील एवं व्यवहार पर बनाने में कृषकों को प्रेरित प्रेरित किया जैसे मुद्दों पर एक और अवलोकन करने के लिए भारत के विभिन्न राज्यों के 1364 किसानों से जानकारियां प्राप्त की गई इससे यह पता चला कि प्राकृतिक खेती, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और एकीकृत कृषि प्रणाली को अपनाने की इच्छा मन की बात कार्यक्रम में शामिल लघु कृषकों में सबसे पसंदीदा विषय थे। अपनी सीमित अनुकूलन क्षमता के बावजूद सर्वेक्षण में शामिल अधिकांश किसान इस बात से सहमत थे कि मन की बात के माध्यम से संप्रेषित किए गए विचार मूल्यवान थे।

और उन्हें आसानी से खेती में लागू किए जा सकते हैं। मन की बात के द्वारा होने वाले द्वितीयक प्रभाव ने भी किसानों को संस्थागत संसाधनों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी श्री विशाख जी द्वारा हाईस्कूल एवं इंटरमीडियट परीक्षा 2023 में जनपद में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले हाइस्कूल के 06 एवं इंटरमीडिएट के 08 छात्र-छात्राओं के उत्साहवर्धन एवं प्रोत्साहन हेतु छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं संबंधित स्कूलों के प्रधानाचार्यों को अपने आवास पर आमंत्रित किया। सर्वप्रथम उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप देश का भविष्य हैं। जिस तरह आपने गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई करके जनपद में उच्च स्थान प्राप्त किया है, उसी प्रकार भविष्य में भी अपने जनपद व माता पिता तथा विद्यालय का नाम रौशन करना।

इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं उपस्थित अन्य अधिकारियों ने बच्चों के साथ अपनी हाईस्कूल इंटरमीडियट पढ़ाई से संबंधित विचार साझा किए। साथ ही जिलाधिकारी द्वारा सभी छात्र-छात्राओं से उनके कॅरियर के संबंध में जानकारी ली गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा छात्र-छात्राओं की इस सफलता में सहयोग करने वाले उनके अभिभावकों एवं संबंधित स्कूलों के प्रधानाचार्यों को भी सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने सभी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जिस प्रकार आप द्वारा विगत परीक्षा की मेहनत से तैयारी की गई है, उसी प्रकार भविष्य में अपने लक्ष्य को निर्धारित करते हुए उसे प्राप्त करने हेतु कठिन प्रयास करते रहे और भविष्य में इसी तरह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अर्जित कर देश, समाज और अपने माता पिता का नाम रौशन करते रहना। इस अवसर पर सभी बच्चों के अभिभावक, मुख्य विकास अधिकारी श्री सुधीर कुमार, ज्वांइट मजिस्ट्रेट लक्ष्मी एन, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट श्री हिमांशु गुप्ता ,जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

कानपुर करौली आश्रम की सेवादार निकली लावारिस मिली महिला, पति ने लगाए गंभीर आरोप

बीपीएस न्यूज

कानपुर। झकरकटी बस स्टैंड पर 21 अप्रैल को बेहोश मिली लावारिस महिला की शिनाख्त हो गई है। महिला बिधनू स्थित करौली आश्रम की सेवादार निकली। महिला के पति ने आरोप लगाया है कि पत्नी को आश्रम के लोगों ने बेहोशी की हालत में फेंका था। वह पुलिस के पास गए थे, मगर पुलिस ने उनकी नहीं सुनी ।महिला का नाम मैनादेवी है, जो कि मूलरूप से बांदा के गांव बबेरू निवासी रामकरन शर्मा की पत्नी हैं। रामकरन पिछले 30 सालों से अर्रा बिनगवां स्थित

केडीए कालोनी में तीन बेटों व पत्नी के साथ रहते हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। रामकरन ने बताया कि परिवार तीन सालों से करौली आश्रम का भक्त रहा है। घर में सुख शांति बनी रहे, इसलिए बाबा ने उनसे यज्ञ कराए, जिसमें करीब ढाई लाख रुपया खर्च हुआ।

बताया कि पत्नी मैनादेवी आश्रम के भंडरा में खाना बनाने का काम निश्शुल्क करती हैं। 19 अप्रैल को वह उन्हें आश्रम छोड़कर आए थे। 22 को आश्रम पहुंचे तो पत्नी नहीं मिली। उन्हें वहां से भगा दिया गया। बामुश्किल खोजबीन करते हुए पत्नी उन्हें उर्सला अस्पताल में लावारिस हालात में भर्ती मिली। रामकरन का आरोप है कि 21 अप्रैल को पत्नी की तबियत बिगड़ने के बाद बाबा के कर्मचारी पत्नी को झकरकटी स्थित कूड़ा घर में फेंक गए थे, जहां सीमा नाम की महिला ने मदद करके उसे पुलिस के माध्यम से उर्सला अस्पताल भिजवाया ।आरोप है कि जब पत्नी मिल गई तो आश्रम कर्मचारी अस्पताल आए और मदद करने का झूठा वीडियो बनवाकर ले गए ।उनकी पत्नी अभी तक बेहोश है। हालांकि जब इस संबंध में करौली आश्रम के मीडिया प्रभारी अजय यादव से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। इंस्पेक्टर विधनू सतीश कुमार सिंह का कहना है कि उन्हें शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिली तो कार्रवाई होगी।

माथुर वैश्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन आज

कानपुर। अखिल भारतीय माथुर वैश्य महासभा के कार्यक्रम संयोजक सत्येंद्र गुप्ता ने कानपुर प्रेस क्लब को अपने वार्ताकारों ने बताया कि यह संस्था विगत 140 वर्षों से सामाजिक सेवाओं में अग्रणी रही है जिससे सामूहिक विवाह का सफल आयोजन असहाय सहायता दिव्यांग सहायता शिक्षा के लिए मुक्त लोन मेधावी बच्चों के लिए स्कॉलरशिप आज का कार्यक्रम चला रही है ।इसी कड़ी में 30 अप्रैल रविवार को देश में युवक युवती परिचय सम्मेलन लाजपत भवन में मोतीझील में होने जा रहा है। जिसमें भारत से

300 से अधिक विवाह योग्य युवक और युवती हिस्सा ले रहे हैं इसका उद्देश्य विवाह योग्य युवक-युवतियों को एक मंच उपलब्ध कराना है इसका रजिस्ट्रेशन शुल्क ?300 मात्र है।

क्रिएटिव हेड डॉ. देविका को राष्ट्रीय महिला उद्यमी 2023 का अवार्ड

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारत सरकार द्वारा संचालित संस्था जेम्स एण्ड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) द्वारा आयोजित पांच सितारा होटल ग्रांड हयात मुंबई में हुए एक भव्य समारोह मे काशी जलर्स की पार्टनर एण्ड क्रिएटिव हेड डॉ. देविका कपूर को राष्ट्रीय महिला उद्यमी 2023 के पुरस्कार से सम्मानित किया गया यह नेशनल अवार्ड भारत सरकार के केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पियूश गोयल एवं बेल्जियम के काउंसलेट जनरल फ्रैंक गीरकेंस द्वारा डॉ. देविका कपूर को दिया गया ।जीजेईपीसी ने आईजीजेए (49वां इंडिया जेम्स एण्ड ज्वैलरी अवार्ड 2023) ज्वैलरी इंडस्ट्री में अपने व्यवसाय को बेहतर और नये आयाम के साथ काम करने एवं ज्वैलरी इंडस्टी को बढ़ावा देने और इसको राष्टीय व अंतरराष्टीय पटल पर एक नयी दिशा दिलाने के प्रयास पर दिया जाता है ।काशी ज्वैलर्स के वाइस प्रेसीडेन्ट श्रेयांश कपूर ने बताया कि इस समारोह में प्रदेश एवं देश के महत्वपूर्ण जाने माने ज्वैलर्स एवं ज्वैलरी हाउसेस ने हिस्सा लिया था। इस समारोह में प्रमुख रूप से विपुल शाह चेयरमैन जीजेईपीसी, कीर्ति भंसाली वाइस चेयरमैन जीजेईपीसी व मिलन चौकसी कवीनर जीजेईपीसी एवं अन्य गणमान्य लोगों की मौजूदगी में रहे।

कोलकाता से लौटा आईआईटीयन कोरोना पॉजीटिव, 5 नए संक्रमित मिले, सक्रिय मरीजों की संख्या 53

कानपुर। कोलकाता से लौटकर आए 37 वर्षीय आईआईटीयन की रिपोर्ट कोरोना पॉजीटिव आई है। वहां से लौटने के बाद आईआईटीयन को खांसी, जुकाम आदि कोरोना के लक्षण उभर आए थे। जांच में रिपोर्ट पॉजीटिव आई है। इसके अलावा आठ महीने की गर्भवती दो महिलाओं की रिपोर्ट कोरोना पॉजीटिव आई है। एक गर्भवती गायत्रीनगर मंगला विहार सनिगवां रोड और दूसरी काजीखेड़ा की रहने वाली है ।इसके साथ ही शहर के एक और संक्रमित रोगी का इलाज कमांड हॉस्पिटल लखनऊ में चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग की रैपिड रिस्पांस टीम को एक बामीपुरवा के 15 वर्षीय संक्रमित का पता नहीं चला। शनिवार को कोरोना के पांच नए संक्रमित मिले हैं। ये सनिगवां, बिधनू, आईआईटी आदि क्षेत्रों के रहने वाले हैं। होम आइसोलेशन में इलाज से 22 रोगी संक्रमण मुक्त हो गए। नगर में अब कोरोना के 53 सक्रिय केस बचे हैं। कोरोना संदिग्ध 2035 लोगों की सैंपलिंग करके जांच की गई है। सीएमओ की टीमों ने 1972 सैंपल की जांच की। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने सिर्फ आठ सैंपल की जांच की है। उर्सला की लैब में 45 सैंपल की जांच हुई।

6 संपत्तियों पर कब्जा प्राप्त नजूल भूमि का लगा दिया बोर्ड

कानपुर। बीआईसी को लीज पर दी गई नजूल संपत्तियों के संबंध में वर्ष 2011 में किए गए तत्कालीन जिलाधिकारी के पट्टा निरस्तीकरण के आदेश के क्रम में जिलाधिकारी विशाख जी0 द्वारा कुल 06 संपत्तियों को अपने आदेश 13 अप्रैल के माध्यम से सिविल लाइन्स स्थित नजूल भूमि ब्लाक सं0- 9 के प्लाट सं0- 5,6,7 व 9, नजूल ब्लाक सं0- 6 के प्लाट सं0- 21, 21ए व 21बी, नजूल ब्लाक सं0-6 के प्लाट सं0 20 व 20ए, नजूल ब्लाक सं0-14 के प्लाट सं0-21, नजूल ब्लाक सं0-14 के प्लाट सं0-24 तथा ब्लाक सं0-14 के प्लाट सं0-27ए पर पुर्नप्रवेश की कार्यवाही करते हुए नजूल अभिलेखों में अनावंटित सरकारी भूमि के रूप में दर्ज कर दिया गया है। उक्त आदेश के क्रम में तहसील सदर के राजस्व विभाग द्वारा उक्त 6 संपत्तियों पर कब्जा प्राप्त करते हुए संपत्ति पर सरकारी संपत्ति/नजूल भूमि का बोर्ड आदि लगा दिया गया है।

जैविक खेती के महत्व पर दी जानकारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। साकेतनगर स्थित एक होटल में फर्टीलाइजर्स प्रा.लि. परतापुर मेरठ की ओर से मध्य उत्तर प्रदेश, बुंदेलखंड व मध्य प्रदेश के 18 जनपदों के वितरक व विक्रेताओं की गोष्ठी हुई। जिसमें कृषि विशेषज्ञ डी मुकेश गौड़ ने खेती में रसायनों के उपयोग को कम कर जैविक खेती को बढ़ावा देने वाले उत्पादों और उनके प्रयोगों के बारे में जानकारी दी। मौजूदा परिवेश व चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए जैविक खेती के महत्व के बारे में उन्होंने बताया । वर्ष 2022-23 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वितरकों व विक्रेताओं को पुरस्कृत करके सम्मानित किया गया। डीजीएम एसएस राजपूत ने उन्नति बीजों की जानकारी दी। विकास डोगरा व देवेंद्र सिंह ने कंपनी व स्कीमों के बारे में बताया। अमित सिंह, सुधीर कुमार, मुकेश सारस्वत, गौरव सिंह, अतुल श्रीवास्तव, नंद किशोर, शिवम शिवहरे आदि लोग उपस्थित रहे।

पीएम से बात करने वाली नूरजहां से मिले कृषि वैज्ञानिक, दीं कृषि संबंधी अहम जानकारियां

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के कृषि वैज्ञानिकों ने नूरजहां से ग्राम बैरी दरियाव स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। ज्ञातव्य हो कि ग्राम पंचायत बैरी दरियाव की नूर जहां कई गांव के घरों को अपनी सोलर लालटेन के माध्यम से रोशनी पहुंचा रही है। तथा नूरजहां 30 अप्रैल को मा. पीएम के मन की बात के 100वे कार्यक्रम में बात करेंगी। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक पाठक खलील खान एवं पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने उनके आवास पर पहुंचकर खेतीवाड़ी से जुड़े कई पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। चर्चा के क्रम में नूरजहां के पुत्र श्री अजीम ने वैज्ञानिकों को बताया कि केंद्र द्वारा गेहूं की प्रजाति डीबीडब्ल्यू 187 एवं के 1317 प्रदर्शन हेतु उपलब्ध कराई गई थी। इन प्रजातियों को उत्पादित कर गेहूं का नया बीज तैयार कर लिया है अजीम ने बताया कि यह दोनों की प्रजातियां उत्पादन की दृष्टि से अन्य की तुलना में अच्छी हैं। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने नूरजहां व उनके परिवार के सदस्यों द्वारा पाली जा रही बकरियों को स्वस्थ रखने एवं बीमारियों से मुक्ति के लिए उचित मार्गदर्शन किया । केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने बताया कि केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार जनपद के गांव में पहुंचकर किसानों को कृषि संबंधी नवीनतम जानकारिया प्रदान की जा रही हैं।

तालाब में डूबकर चार बच्चों की मौत

बीपीएस न्यूज

कानपुर। शनिवार को नर्वल तहसील में बने तालाब में स्कूल से नहाने गए पांच बच्चे डूब गए। एक को गांव वालों ने बाहर निकाला। जिसे आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया। यहां उसका इलाज जारी है। जबकि चार की मौत हो गई। मौके पर पुलिस पहुंची।

कड़ी मशक्कत से चारों बच्चों के शव को तालाब से बाहर निकालकर सीएचसी सरसौल भेजा। हालत नाजुक होने पर कांशीराम ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। सभी नहाते समय बीच में चले गए नर्वल तहसील के सेमरझाल के रहने वाले पांच बच्चे शैलेंद्र सिंह इंटर कॉलेज में पढ़ते हैं। स्कूल में हॉफ डे वक्त पांचों लोग आदर्श तालाब नहाने के लिए चले गए। इस बीच वो नहाते समय बीच में आए। जहां पर गहराई थी। एक छात्र जो किनारे था। वो बच गया ।जबकि चार छात्र नहाते समय काफी बीच में आ चुके थे। वो चिल्लाने लगे। जब तक गांव वाले आते वो डूब गए। पुलिस को सूचना दी गई। कई गांव वालों ने पुलिस के साथ मिलकर सभी को बाहर निकाला। अस्पताल लेकर गए। यहां पर डॉक्टर ने सभी को मृत घोषित कर दिया। जबकि एक की हालत नाजुक होने पर उसे कांशीराम अस्पताल रेफर कर दिया गया ।मरने वाले सक्षम (15) पिता सरोज कुरील कक्षा 10 और अभय सविता (15) पुत्र प्रेमनारायण सविता कक्षा 10 का छात्र है। कृष्णा (13) पिता उमेश चंद्र कक्षा छह का और दिव्यांश अवस्थी (12) पिता कल्लू अवस्थी कक्षा 7 का छात्र है।

आरोप है कि तालाब में जब चाहे, कोई भी आ सकता है। किसी पर कोई रोक नहीं लगाई गई हैं। अगर बच्चों के नहाने पर रोक होती है तो आज वो जिंदा होते। जबकि नर्वल थाने के सामने ही तालाब बना है। पुलिस ने कोई पाबंदी नहीं लगाई है। बता दें ये तालाब अमृत योजना के तहत बना था।

मानवता शर्मसार: 4 साल की बच्ची के साथ पिता ने किया दुष्कर्म, कोर्ट ने सुनाई 20 साल की सजा, जुर्माना भी लगाया

संवाददाता

हरदोइ। हरदोई जिले में चार साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के दोषी पिता को न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) कोर्ट नंबर 14 की जज निरुपमा विक्रम ने 20 साल की सजा सुनाई है। फैसला घटना के दो साल बाद आया है। दोषी पर 37,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है ।कासिमपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने नौ अक्टूबर 2020 को दी तहरीर में बताया था कि आठ अक्टूबर को दिन में एक बजे उसके तीन बच्चे घर पर अकेले थे। जब वह घर वापस आई तो देखा कि उसकी चार वर्षीय बेटी खून से लथपथ है। पूछने पर बच्ची ने पिता सुरेंद्र की गंदी हरकत बताई ।तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। विवेचना के बाद पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया था। इसकी सुनवाई यहां न्यायालय में चल रही थी। दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद न्यायाधीश ने दोषी पिता सुरेंद्र को 20 वर्ष की सजा सुनाई है। जुर्माना न देने पर छह माह की अधिक सजा भुगतनी होगी। दोषी घटना के बाद से ही जेल में बंद है ।अभियोजन पक्ष से पैरवी कर रहे शासकीय अधिवक्ता अमित कुमार शुक्ला ने कहा कि पिता घर का संरक्षक होता है।

मोबाइल टावर में चोरी करने वाले दो अभियुक्तो को चोरी के माल सहित किया गिरफ्तार

कानपुर। पुलिस कमिश्नरेट द्वारा अपराधों की रोकथाम व अपराधियों की धर पकड पर चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में शनिवार को थाना सचेण्डी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। ग्राम कैंधा के मोबाइल टावर में चोरी करने वाले दो अभियुक्तों को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्तों की निशादेही पर मोबाइल टावर में चोरी किये गये माल को बरामद किया गया।

घटनाक्रम के मुताबिक 21 नवंबर को अज्ञात चोरो द्वारा ग्राम कैंधा स्थित मोबाइल टावर से सारा समान चोरी किया गया था। जिसके सम्बन्ध मे आवेदक वरूण कुमार रघुवंशी पुत्र समर बहादुर सिंह निवासी 124 सीओडी कालोनी कोयला नगर थाना चकेरी द्वारा 18 अप्रैल को थाना सचेण्डी पर अज्ञात चोर के खिलाफ पंजीकृत कराया था। थाना सचेण्डी पुलिस द्वारा मुकदमा उपरोक्त में चोरी गये माल की बरामदगी व अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित करके मुकदमा का अनावरण किये जाने के प्रयास किया जा रहा था। जिसके क्रम में शनिवार को मुखबिर की सूचना पर अभियुक्तगण दीपक श्रीवास्तव पुत्र स्व0 जोगेन्द्र लाल श्रीवास्तव निवासी 360 बाबानगर नौबस्ता उम्र करीब 41 वर्ष, सुनील कुमार विश्वकर्मा पुत्र कैलाशनाथ निवासी 1669 / 25 सरस्वती नगर, हन्सपुरम नौबस्ता उम्र करीब 35 वर्ष को गिरफ्तार किया गया ।गिरफ्तार किये गये अभियुक्तगण उपरोक्त की निशादेही पर मुकदमा उपरोक्त में चोरी गये मोबाइल टावर के पार्ट्स व सामान बरामद किये गये। अभियुक्तगण के विरूद्ध थाना सचेण्डी पर विधिक कार्यवाही करने के बाद जेल भेजा गया है।

पद्मश्री ने बोट में बैठ कर बोट क्लब परिसर का किया भ्रमण

कानपुर। भारत सरकार और उ0प्र0 प्रदेश सरकार की खेलो इण्डिया और स्मार्ट सिटी योजना के साथ कानपुर अब विभिन्न खेलों के लिए जाना जाता है, जहां ग्रीन पार्क स्टेडियम जो वर्तमान में क्रिकेट के साथ ही बैड मिन्टन, टेबिल टेनिस, बास्केट बॉल की मेजबानी करने साथ ही अपने साथ अत्याधुनिक जिम, विजिटर गैलरी की सुविधा भी देता है, तो वही पालिका स्टेडियम भी 22 ओलम्पिक खेलों की मेजबानी कर रहा है। कानपुर ने जल क्रीड़ा के क्षेत्र में भी अपने प्रारम्भिक कदम के रूप में बोट क्लब की शुरूआत की है, जहां आने वाले समय में विश्व स्तरीय प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा सकेंगी। अवनीश अवस्थी, सलाहकार, मुख्यमंत्री एवं पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने सर्वप्रथम बोट क्लब परिसर भ्रमण किया। यहां उन्होंने 2 तरह की बोटों में बोटिंग कर बोट क्लब के पूर्ण संचालन के बारे में जानकारी प्राप्त की और यहां घूमने के लिए आये लोगों से फीड बैक प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने बोट क्लब की तारीफ करते हुए कहा कि यह कानपुर के लिए एक विशेष उपहार है, जो सिंचाई विभाग, केडीए, बोट क्लब के संयुक्त प्रयासों से कानपुर को मिला है, जहां प्रत्येक दिन सैकड़ों की संख्या में लोग इसका लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं।

उन्होंने देखा कि यहां पर सुरक्षा मानक का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है जैसे कि बोटिंग करने वाले लोगों को लाइव जैकेट पहनाना और क्षमता के अनुसार ही लोगों को बैठाना इत्यादि को देखकर कहा कि यह एक बेहतर व्यवस्था है। इस दौरान उन्होनें आने वाले दिनों में बिठूर से लेकर गंगा बैराज बोट क्लब तक का क्रूज चलाने पर विचार करने और होवर प्लेन/सी प्लेन चलाने के सम्बन्ध में भी प्रारम्भिक अध्ययन कराया जा सकता है। इस सम्बन्ध में उन्होने बताया कि वाराणसी और अन्य जगहों पर इसका संचालन किया जा रहा है कि उनसे सम्पर्क कर इस हेतु आइडियाज प्राप्त किये जा सकते हैं। उन्होनें कहा कि आने वाले दिनों में ये वाटर एक्टिविटीज के लिए एक बेहतर हब के रूप में उभरकर सामने आने की सम्भावनाओं के बारे में बताया।

इस दौरान उन्होंने बोट क्लब में लगने जा रहे उ0प्र0 के सबसे बड़े राष्ट्रीय ध्वज के सम्बन्ध में भी जानकारी प्राप्त की और इस पहल के लिए उन्होंने बोट क्लब, सिंचाई विभाग और सी0एस0आर0 के लिए रिमझिम इस्पात के प्रयासों के लिए उनकी सराहना की। इस दौरान शत्रोहन वैश्य सचिव केडीए, नीरज श्रीवास्तव, सचिव जलक्रीड़ा, शैलेन्द्र, अवर अभियन्ता सिंचाई विभाग एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। तदोपरान्त उन्होंने ग्रीन पार्क विजिटर गैलरी का विजिट किया। उन्होंने विजिटर गैलरी की सराहना करते हुए कहा कि मुझे लग नहीं रहा है कि यह कानपुर का ग्रीन पार्क है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए आयुक्त और स्मार्ट सिटी के इस प्रोजेक्ट की सराहना की। उन्होंने इस प्रयास को देखते हुए विजिटर गैलरी के बारे में आयुक्त से जानकारी प्राप्त की और ग्रीन पार्क में अपने पुराने देखे हुए मैचों की यादों को उनके साथ बांटा। उन्होंने गैलरी में पुराने अखबार कटिंग्स, क्रिकेटरों की फोटो को देखकर ग्रीन पार्क स्टेडियन में इन 75 वर्षो के इसके स्वर्णिम इतिहास को देख कर अपनी पुरानी यादों का पुनः स्मरण किया। यहां उन्होनें पुराने आईस-बाक्स को देखकर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि पहले मैच में इस तरह से आइस दी जाती थी। इस दौरान मौके पर मण्डलायुक्त, कानपुर डा0 राज शेखर, ऑल इण्डिया चेस फेडरेशन के चेयरमैन संजय कपूर, उप निदेशक खेल मुद्रिका पाठक, फिजियो स्टेनली ब्राउन, उप क्रीड़ा अधिकारी अमित पाल उपस्थित रहे।

केशव मधुवन सेवा समिति के अध्यक्ष ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में किया प्रतिभाग

कानपुर। केशव मधुवन सेवा समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र अवस्थी ने आस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान शनिवार को अंतर्राष्टीय गीता महोत्सव, डार्लिंग हार्बर थिएटर, सिडनी,आस्ट्रेलिया में सहभागिता की। इस अवसर पर भारत से पधारे गीता मनीषी परमपूज्य श्री ज्ञानानंद जी महाराज, गुरु शरणानंद जी महाराज, हरियाणा सरकार के ग्रह मंत्री श्री सुनील विज, महाभारत सीरियल में युधिष्ठिर का किरदार निभाने वाले गजेन्द्र चौहान आदि के साथ आस्ट्रेलिया में निवास कर रहे हजारों भारतीयों ने बड़े उत्साह, श्रद्धा व आस्था से सहभागिता की। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी व हरियाणा के मुख्यमंत्री जगदीश खट्टर ने वीडियो के माध्यम से अंतरास्ट्रीय गीता महोत्सव की सफलता की सुभकामनाएं प्रेषित की। गीता मनीषी श्री ज्ञानानंद जी महराज ने अपने संबोधन में कहा की गीता केवल भारतीयों की ही नही अपितु दुनिया के समस्त मानव को जीवन जीने की कला सिखाती है। दुनिया की हर समस्या का समाधान गीता मिलता है। उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व में जो आतंकवाद, युद्ध , तनाव फैला हुआ है , अगर गीता के सिद्धांतो का अनुकरण किया जाय तो दुनिया में विश्व बंधुत्व की भावना का विकास हो सकता है।

अच्छे-बुरे किरदारों में अभिनय के प्राण

सन् 1938 में लाहौर की एक चांदनी रात में हीरा मंडी चौक पर स्थित 'रामलुभाया पान भंडार' के बाहर स्टाइलिश परिधान पहने हुए एक स्मार्ट युवक पान और सिगरेट का सेवन कर रहा था। सिगरेट के प्रति उसकी दीवानगी बालपन से थी, वह बड़े अनोखे अंदाज़ से धुएं के छल्ले हवा में उड़ा रहा था। तभी वहां प्रसिद्ध फिल्म-पटकथा लेखक वली मोहम्मद वली आए। उन्होंने इस मनचले युवक को सर से पांव तक निहारा, उन्हें लगा कि उनकी आगामी फिल्म में खलनायक की भूमिका के लिए उन्हें ऐसे ही नौजवान की तलाश थी। वली साहिब ने उसे फिल्म 'यमला जट्ट' में अभिनय करने का ऑफर दिया और अपना विजिटिंग कार्ड देते हुए उसे अगले दिन सुबह 10 बजे पंचोली स्टूडियो में मिलने को कहा। लड़के ने इसे गंभीरता से न लेते हुए पूछा- 'क्या मैं आपका नाम जान सकता हूं?' वली साहिब ने कहा- 'वली'। लड़का शरारत भरे अंदाज़ में हंसते हुए बुदबुदाया- 'आधी रात को कुछ घूंट लेने के बाद हर कोई खुद को वली समझने लगता है'। लड़के ने इसे 'रात गई बात गई' समझ कर अगली सुबह जाने की जहमत नहीं उठाई।

कुछ दिनों के पश्चात जब वह प्लाजा सिनेमा में एक अंग्रेजी फिल्म देखने गया, तो संयोगवश फिर से वली साहब का सामना हो गया। वली ने उसे पंजाबी अपशब्दों के साथ खूब सुनाई और सेठ दलसुख पंचोली से तुरंत मिलने के लिए कहा। लेकिन इस बार बगैर कोई जोखिम उठाए, वली ने उसे अगली सुबह कार द्वारा सीधे स्टूडियो भिजवा दिया। स्क्रीन टेस्ट और साक्षात्कार के बाद उस नवयुवक को पंजाबी फिल्म 'यमला जट्ट' (1940) में खलनायक की भूमिका करने हेतु 50 रुपये मासिक पर अनुबंधित कर लिया गया। इस प्रकार एक सितारे का जन्म हुआ- एक ऐसा सितारा जो अगले 50-60 वर्षों तक सिने दर्शकों के दिलों पर राज करने के लिए नियत था। वह प्रतिभाशाली युवक और कोई नहीं, बल्कि मशहूर खलनायक व चरित्र अभिनेता 'प्राण कृष्ण सिकंद' थे।प्राण ने पंचोली आर्ट पिक्चर्स, लाहौर के बैनर तले बनी फिल्म

'यमला जट्ट' (1940) में कुलदीप नामक एक बिगड़ैल, जुआरी और शराबी युवक का नकारात्मक रोल किया था। 11 वर्षीय नूरजहां ने हीरोइन की छोटी बहन (मुन्नी) का चरित्र निभाया था। जबकि 17 वर्षीय अंजना (रानी) और पॉल (रामू) ने फिल्म में मुख्य भूमिकाएं निभाईं थीं। 31 मई 1940 को लाहौर के पैलेस सिनेमा में रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर मेगाहिट रही।अगले ही वर्ष, प्राण पंजाबी फिल्म 'चौधरी' में एक बार फिर खलनायक 'जसबीर' के किरदार में नज़र आए थे। इसी बैनर की हिंदी फिल्म 'खजांची' (1941) में भी उसने एक संक्षिप्त भूमिका की थी। इन फिल्मों की सफलता से उत्साहित होकर पंचोली ने प्राण को अपनी बहुचर्चित फिल्म 'खानदान' (1942) में अभिनेत्री नूरजहां के समक्ष बतौर एक रोमांटिक हीरो प्रस्तुत किया। नूरजहां उस समय केवल 12/13 वर्ष की थी और उसका कद भी बहुत छोटा था। क्लोज-अप शॉटस के दौरान नूरजहां को ईंट-पत्थर पर खड़ा करना पड़ता था ।

नंदिनी के रूप में वापसी करने को तैयार ऐश्वर्या राय

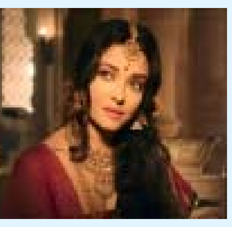

मुंबई। आगामी सप्ताह बॉक्स ऑफिस पर गत वर्ष प्रदर्शित हुई और ब्लॉकबस्टर रही फिल्म पोन्नियन सेल्वन के दूसरे भाग के साथ ऐश्वर्या राय बच्चन अपने सुप्रसिद्ध किरदार नंदिनी के रूप में एक बार फिर से दर्शकों को अपना दीवाना बनाने आ रही हैं। मणिरत्नम के निर्देशन में बनी पोन्नियन सेल्वन-2 शुक्रवार 28 अप्रैल को प्रदर्शित होने जा रही है। इस फिल्म के प्रदर्शन पूर्व प्रचार में पूरे जोर शोर से लगी ऐश्वर्या राय ने मीडिया से बातचीत करते हुए अपने नंदिनी नाम के सम्बन्ध को स्पष्ट किया।पोन्नियिन सेलवन 2 के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, ऐश्वर्या राय बच्चन से नंदिनी नाम के साथ उनके विशेष संबंध के बारे में पूछा गया। वह मणिरत्नम की फिल्म में नंदिनी नामक किरदार में नजर आ रही हैं। गौरतलब है कि ऐश्वर्या राय बच्चन लगभग 25 वर्ष पूर्व संजय लीला भंसाली की फिल्म हम दिल दे चुके सनम में भी नंदिनी की भूमिका निभा चुकी हैं। इसके बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, क्या संयोग है। यह आश्चर्यजनक है ना? यहां तक कि हम दिल दे चुके सनम में नंदिनी भी बहुत यादगार रही थी।वह लोगों के दिल में बसी हैं और मैं बहुत शुक्रगुजार हूं कि मुझे तब भी नंदिनी का किरदार निभाने का मौका मिला। वह दर्शकों के लिए और निश्चित रूप से मेरे लिए खास बनी रही। वह संजय भंसाली जी थे और आज मेरे मणि गारू के लिए, मुझे पोन्नियन सेल्वन में नंदिनी का किरदार निभाने को मिला। यह बहुत ही बड़ा आशीर्वाद है, कि मुझे ऐसी मजबूत महिलाओं, ऐसी स्तरित महिलाओं और चरित्र वाली महिलाओं का किरदार निभाने का मौका मिला है।

कलियुग का भयंकर रूप कैसा होगा

हिंदू शास्त्रों के अनुसार अब तक 3 युग सतयुग, त्रेतायुग और द्वापर युग बीत चुके हैं और जो चल रहा है वह कलियुग है. पुराणों के अनुसार, कलियुग के साथ ही दुनिया समाप्त हो जाएगी. कलियुग में धरती पर अन्य युगों से ज्यादा अधर्म और पाप बढ़ता जाएगा. शास्त्रों में बताया गया है कि भविष्य में धरती पर कलियुग इस से भी ज्यादा भयंकर होगा.

कलियुग में ही मनुष्य अपने कर्मों का फल भुगतेंगे और बेमौसम बारिश, आंधी-तूफान, जल संकट का सामना करेंगे. आइये जानते हैं पुराणों में कलियुग को लेकर क्या भविष्यवाणी गई है.

गीता में 4 युगों की व्याख्या

भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में बताया है कि धरती पर 4 युग होंगे. सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग. सतयुग में धरती पर धर्म का बोलबाला था. त्रेतायुग में धर्म के साथ-साथ अधर्म भी चलन में आया. द्वापरयुग में अधर्म और पाप ने धरती पर अपनी जगह बना ली. अभी कलियुग में धरती पर धर्म से ज्यादा पाप है. गीता में ये भी कहा गया है कि जब-जब धरती पर पाप बढ़ेगा भगवान धरती का कल्याण करने जरूर आयेंगे.पंडित इंद्रमणि घनस्याल बताते हैं कि गीता में 4 लाख 32 हजार वर्षों का कलियुग बताया गया है, जबकि अभी तक कलियुग के केवल 5122 वर्ष ही पूरे हुए हैं. कलियुग के इतने से कम वर्षों में ही ऐसा लगता है जैसे पाप अपनी चरम सीमा पर है. लेकिन भयंकर कलियुग में धरती पर अम्ल वर्षा होगी, जिसके कारण पेड़-पौधे और जीव-जंतु खत्म हो जाएंगे और इंसान अपनी भूख मिटाने के लिए एक-दूसरे को खायेंगे. धन का महत्व बढ़ जाएगा और धरती पर धर्म, दया और इंसानियत पूरी तरह से खत्म हो जाएगी. पारिवारिक रिश्ते नाम मात्र के होंगे. वेदों की गलत व्याख्या की जाएगी. बच्चे अपने मां बाप की सेवा नहीं करेंगे. धरती पर भूखमरी, बीमारियां, गर्मी, सर्दी, तूफान और बर्फबारी, बाढ़ अपनी चरम सीमा पर होंगे और अंत में दुनिया समाप्त हो जाएगी.

देसी वाद्यों से जन्मा कालजयी फिल्म संगीत

भारतीय फिल्मों के संगीत को कर्णप्रिय बनाने के लिए देसी वाद्य यंत्रों का बखूबी प्रयोग हुआ। तबला, ढोल, ढोलकी और ढपली हो या फिर सारंगी, बांसुरी व खंजरी- इनके इस्तेमाल से कई कालजयी गानों का सृजन हुआ। अब बेशक ऐसी प्रयोगधर्मिता नहीं रही लेकिन भारतीय वाद्यों के इंद्रधनुष में पिरोए गए गाने सुनने में अलग ही आनंद देते हैं।भारतीय शास्त्रीय संगीत को फिल्म संगीत की जान माना जाता है। राग और ताल मिलकर फिल्म संगीत को पूर्णता देते हैं। लेकिन, फ़िल्मी गीतों को समृद्धता देने में सबसे अहम भूमिका रही देसी वाद्य यंत्रों की। सिनेमा के क्लासिकल गीतों में देसी वाद्य यंत्रों तबला, सारंगी, ढोल, ढोलकी और ढपली का जमकर उपयोग किया गया। बड़े गुलाम अली खां साहब की ठुमरी हो या मन्ना डे के गीत- सभी में तबला और देसी वाद्य यंत्रों का बखूबी इस्तेमाल हुआ।

भारतीय फिल्मों के संगीत को कर्णप्रिय बनाने के लिए देसी वाद्य यंत्रों का बखूबी प्रयोग हुआ। तबला, ढोल, ढोलकी और ढपली हो या फिर सारंगी, बांसुरी व खंजरी- इनके इस्तेमाल से कई कालजयी गानों का सृजन हुआ। अब बेशक ऐसी प्रयोगधर्मिता नहीं रही लेकिन भारतीय वाद्यों के इंद्रधनुष में पिरोए गए गाने सुनने में अलग ही आनंद देते हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत को फिल्म संगीत की जान माना जाता है। राग और ताल मिलकर फिल्म संगीत को पूर्णता देते हैं। लेकिन, फ़िल्मी गीतों को समृद्धता देने में सबसे अहम भूमिका रही देसी वाद्य यंत्रों की। सिनेमा के क्लासिकल गीतों में देसी वाद्य यंत्रों तबला, सारंगी, ढोल, ढोलकी और ढपली का जमकर उपयोग किया गया। बड़े गुलाम अली खां साहब की ठुमरी हो या मन्ना डे के गीत- सभी में तबला और देसी वाद्य यंत्रों का बखूबी इस्तेमाल हुआ। म्यूजिक डायरेक्टर नौशाद के संगीत कैरियर का बड़ा हिस्सा शास्त्रीय संगीत से सजे फिल्मी गीतों का ही रहा। इन गीतों में देसी वाद्यों ढोलक, तबला, बांसुरी, शहनाई, सितार का इस्तेमाल किया बल्कि पश्चिमी वाद्य यंत्रों पियानो, एकार्डियन, स्पेनिश गिटार को भी अपनाया।

उनकी फिल्म जादू और आन में इन वाद्यों का जादू है। संगीतकार मदन मोहन के अधिकांश गीतों में उस्ताद रईस खान ने सितार बजाया। फिल्म दुल्हन एक रात की के गीत मैंने रंग ली आज चुनरिया... में सितार का खूबसूरत प्रयोग था। आवारा के गीत घर आया मेरा परदेसी में लाला गुणावने की ढोलकी बजी। जिन गीतों में ढोलकी बजाई गई, उनमें मेरे मन का बावरा पंछी, घर आया मेरा परदेसी जैसे यादगार गीत हैं।देव आनंद की ज्वेल थीफ के गीत होंठों पे ऐसी बात मैं दबा के चली आई में ढोल का बेहतरीन इस्तेमाल था। सबसे पहले ढोलक का प्रयोग 1941 में बनी फिल्म पड़ोसन में मास्टर कृष्णराव ने किया था। जबकि, तबले का पहला प्रयोग आलम आरा में हुआ। घुंघरुओं की छम-छम देवानंद की फिल्म सीआईडी में सुनाई दी। ले के पहला पहला प्यार गाने में घुंघरुओं की आवाज खास थी। पाकीजा और कोहिनूर फिल्म के गानों में भी घुंघरू का इस्तेमाल हुआ। फिल्म श्री 420 के गाने मेरा जूता है जापानी में खंजरी बजती सुनाई दी थी।आगे चलकर ओपी नैयर, शंकर जयकिशन, एसडी बर्मन ने खोपड़ी का प्रयोग अपने गानों में भी किया। भारतीय वाद्यों के इंद्रधनुष में पिरोए गए गाने सुनने में आज भी आनंद व सुकून देते हैं। जबकि, आज का फिल्म संगीत सिंथेसाइजर में सिमटकर रह गया। **रोजा से छंटा अंतर्द्वंद्व**- 90 के दशक की शुरुआत तक गानों के मामले में सिनेमा का संगीत अंतर्द्वंद में फंसा रहा! प्रयोगों के चक्कर में साज मर गया। एक समय तो कानफोड़ू डिस्को संगीत ने मधुर गीतों को पीछे छोड़ दिया। लेकिन, लंबे इंतजार के बाद सिनेमा को मणिरत्नम की फिल्म रोजा के साथ एक हुनरमंद संगीतकार मिला- एआर रहमान! रहमान ने जैज जैसी यूरोपीय संगीत शैलियों को भारतीय फिल्म संगीत में सहजता से पिरोया। गीतों में वाद्य यंत्रों का प्रयोग बखूबी किया।

गीतों में खूब बजी ढोलक-आजादी के बाद संगीतकारों गुलाम हैदर, जीएम चिश्ती और पंडित अमरनाथ के साथ गीतों में ढोलक का इस्तेमाल होने लगा। 40 से 50 का दशक हिन्दी सिनेमा के संगीत का स्वर्णिम काल माना जाता है। रिकॉर्डिंग और तकनीक के मामले में जोर पकड़ा। ढोलक और गिटार की संगत हुई। इस समय जिन संगीतकारों ने संगीत को आधुनिक शक्ल दी, वो थे नौशाद, एसडी बर्मन और शंकर जयकिशन। देव आनंद की फिल्मों के गाने हों या गुरुदत्त की प्यासा के गीत जिनमें गिटार और बेस की ध्वनि पर शब्द पिरोए गए। मुगले आजम में नौशाद ने आर्केस्ट्रा की भव्यता का अहसास कराया उसमें कई देसी वाद्य थे।फिल्म संगीत में सारंगी का भी बहुत उपयोग हुआ। जानकार 1963 में आई ताजमहल के गीतों में सारंगी के प्रयोग को बेहतरीन मानते हैं। रोशन के संगीतबद्ध किए गीत पांव छू लेने दो फूलों को इनायत होगी के अलावा जो बात तुझमें है, तेरी तस्वीर में नहीं' में भी सारंगी की विशिष्टता दिखी।नौशाद साहब ने सारंगी का अपनी कई फिल्मों में सुंदर प्रयोग किया। दिलीप कुमार की गंगा जमुना का लता मंगेशकर का दर्द भरा गीत दो हंसों का जोड़ा बिछड़ गयो रे, गज़ब भयो रामा, जुलम भयो रे इसकी मिसाल हैं।

बाबरी मस्जिद विध्वंस: राजीव गांधी पर क्यों उठती है उंगली?

बाबरी विवाद के 3 बड़े पड़ाव

साल 1990-92 तक लाल कृष्णा आडवाणी की रथयात्रा और इसके बाद हजारों लोगों का अयोध्या में जुटना विवाद की शायद आखिरी कड़ी थी। इस साल तो ढांचा गिरा दिया गया था। इससे पहले भी दो अहम पड़ाव इसमें माने जा सकते हैं। पहला साल 1949 में मूर्ति रखना बाबरी विवाद के बड़ा होने की पहली कड़ी थी साल 1949। मस्जिद में नमाज बंद होने के बाद इसी साल 22 दिसंबर की रात कुछ लोगों ने मस्जिद परिसर में मूर्ति रखी थी। मूर्ति रखे जाने के बाद इनको हटाया नहीं गया लेकिन परिसर को बंद कर दिया गया।

दूसरा साल 1986 में परिसर का ताला खुलना

37 साल तक मस्जिद परिसर में ताला था लेकिन 1986 में अचानक ये बड़ा हो गया। अयोध्या में राम मंदिर को लेकर आंदोलन तो चलते रहे थे लेकिन ये बहुत बड़े बने 80 के दशक में।1984 में विहिप और कुछ दूसरे संगठनों ने राम मंदिर को आक्रामकता दे दी थी। इस बीच इंदिरा गांधी की हत्या हुआ और इसके बाद हुए आम चुनाव में राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने।

आज अर्जी कल सुनवाई और ताला खोलने का दे दिया आदेश 1 फरवरी 1986 को फैजाबाद जिला न्यायाधीश केएम पांडेय ने सिर्फ 24 घंटे पहले दाखिल एक अर्जी पर सुनवाई करते हुए 37 साल से बंद पड़ी बाबरी मस्जिद का गेट खोलने का आदेश दे दिया। ये अर्जी भी उमेश चंद्र पांडेय नाम के ऐसे शख्स ने लगाई थी, जिसका बाबरी विवाद के मुकदमों से कोई संबंध नहीं था।

1986 में केंद्र और उत्तर प्रदेश, दोनों जगह कांग्रेस की सरकार थी। ताला खुलने के बाद विपक्ष ने कहा था कि ये सब राजीव गांधी के इशारों पर हुआ है क्योंकि वो हिन्दुओं को खुश करना चाहते हैं। राजीव गांधी के कहने पर ये हुआ या वो पर्सनली इसे देख रहे थे। ऐसा कोई सबूत कभी नहीं मिला लेकिन इस घटना में कई ऐसी बाते थीं। जिनसे ये माना गया कि बिना राजीव गांधी मतलब पीएमओ के दखल के ये सब नहीं हो सकता था।

सबसे पहला हड़बड़ी में लिया गया फैसला

31 जनवरी को अर्जी दाखिल की गई। अगले दिन 1 फरवरी को 4 बजकर 20 मिनट पर फैसला आया। एक घंटा भी नहीं लगा और 5 बजे ताला तोड़ दिया गया। अभी फैसले की कॉपी भी टाइप होकर नहीं आई थी कि ताला टूट गया। ऐसे में ये सवाल उठा कि सबकुछ पहले से तय था। इसके साथ-साथ कांग्रेस सरकार की ओर से इस फैसले के खिलाफ कोई अपील भी नहीं की गई।

दूरदर्शन की टीम को किसने बताया ?

जब ताला टूटा तो दूरदर्शन की एक टीम वहां मौजूद थी। ये सब रिकॉर्ड हुआ और शाम को देशभर में समाचार चल गया। इसने लोगों के बीच ये धारणा मजबूत कर दी कि ये सब दिल्ली से प्रायोजित था। केंद्र को इस बात की जानकारी थी कि आज ताला खुलने वाला है।उस वक्त की घटनाओं को देखने वाले पत्रकार और अफसर क्या कहते हैं80 के दशक में बीबीसी के लिए उत्तर प्रदेश में रिपोर्टिंग कर रहे रामदत्त त्रिपाठी ने कई लेख इसपर लिखे हैं। उनका मानना था, बाबरी मस्जिद मामले में राजीव गांधी सरकार पर कई-तरफ़ से दबाव थे। शाहबानों मामले में उन पर मुस्लिम तुष्टिकरण का भी आरोप लग रहा था। दशकों से हाईकोर्ट में लंबित इतने बड़े मामले में फैजाबाद प्रशासन या जिला जज अपने स्तर पर इतना बड़ा निर्णय नहीं ले सकता था, जबतक कि ऊपर से कोई इशारा ना हो।

आंदोलन को करीब से देखने और कवर करने वाली नीरजा चौधरी ने भी मई 1986 में लिखे एक लेख में ताला खुलने की घटना को सीधे-सीधे सरकार की सांप्रदायिक तो बढ़ावा देने वाली कार्रवाई बताया था। उन्होंने लेख में इस घटना के पीछे सरकार को माना था।अपनी किताब %माय इयर्स विद राजीव ऐंड सोनिया% में पूर्व गृह सचिव आरडी प्रधान लिखते हैं, उस दौर तक राजीव गांधी दूसरे नेताओं के मुकाबले कहीं तेजी से आगे बढ़े थे लेकिन इस फैसले के बाद वह राजनीतिक जटिलताओं में फंसते चले गए। शायद यह साबित करना चाहते थे कि उन्हें जितना मुस्लिमों की भावनाओं का ख्याल है, उतना ही हिंदुओं का भी।

कैसे इस घटना ने आग में डाला घी ?

1949 से 1986 तक जो बाबरी मस्जिद विवाद एक कोने में था। इस घटना के बाद देश का मुद्दा बन गया। एक ओर हिन्दू संगठन इस पर आक्रामक हो गए तो दूसरी ओर बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी का गठन भी हुआ। मुस्लिम भी इसको लेकर आक्रामक हुए। इसके बाद देश, खासतौर से उत्तर भारत की राजनीति बाबरी के इर्दगिर्द सिमटने लगी। तेज होते आंदोलनों का नतीजा हुआ कि 1992 में बाबरी मस्जिद की विवादित इमारत गिरा दी गई।बाबरी का ताला खुलने में राजीव गांधी को दोष देने वाले कई हैं लेकिन एक अफसर उन पर ये आरोप एकदम गलत मानते हैं। राजीव गांधी के प्रधानमंत्री कार्यालयमें तत्कालीन संयुक्त सचिव और दून स्कूल में उनके जूनियर रहे वजाहत हबीबुल्लाह अपनी किताब %माई ईयर्स विद राजीव गांधी ट्रायम्फ एंड ट्रैजेडी%में कहते हैं कि राजीव गांधी को इस सबका एकदम कोई जानकारी नहीं थी। उनको इसका दोष देना गलत है।

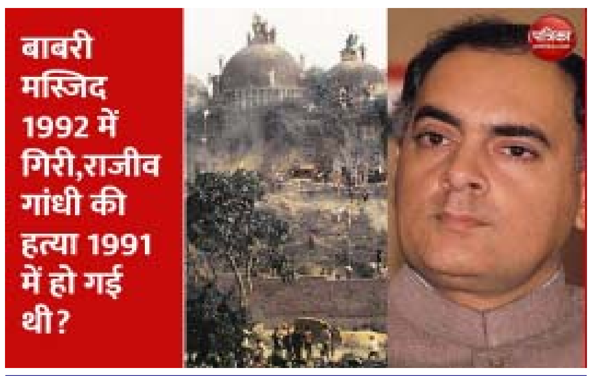

6 दिसंबर 1992 को अयोध्या में विवादित ढांचा गिरने पर मुस्लिम महिला ने बांटे थे लड्डू

आज से 30 साल पहले छह दिसंबर 1992 की सुबह हम सब टीवी और रेडियो पर अयोध्या में हो रही कारसेवा के बारे में जाने के लिए उत्सुक थे। इसी दौरान दिन में 12 बजे जानकारी मिली विवादित गुम्बर गिरा दिया गया। इसके बाद मैने अपने आसपास के लोगों को लड्डू बांटे, जिससे आपसी सौहार्द बने और लोग एक-दूसरे से मिल-जुलकर रहें। ये बातें मेरठ निवासी शाहिन ने बताई।मेरठ निवासी शाहिन तीन तलाक और हलाला की घुर विरोधी हैं। शाहिन ने तीन तलाक कानून लागू होने के बाद अब तक कई तलाक पीड़िता महिलाओं की मदद की है। तलाक पीड़ित महिलाओं को तीन तलाक कानून के बारे में जानकारी दी और उनको मुफ्त में कानूनी मदद भी की। अयोध्या में बाबरी गुम्बद गिराए जाने पर लडडू बांटने वाली शाहिन का कहना है कि वो पांच वक्त की नमाज अदा करतीं हैं।

क्या आप प्यार और रिलेशनशिप में है, जानें कैसा होगा आपके लिए

ज्योतिष विज्ञान के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं कि वीकेंड आपके रिलेशनशिप के लिए कैसा होगा। किस राशि के लोगों को अपने रिश्तों में सुधार करने की जरूरत हैं और किस राशि की जिंदगी में प्यार की एंट्री होने वाली हैं। इस तमाम बातों के बारे में हम आपको आज के इस खास आर्टिकल में बताने वाले हैं। ज्योतिष विज्ञान के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं कि वीकेंड आपके रिलेशनशिप के लिए कैसा होगा। किस राशि के लोगों को अपने रिश्तों में सुधार करने की जरूरत हैं और किस राशि की जिंदगी में प्यार की एंट्री होने वाली हैं। इस तमाम बातों के बारे में हम आपको आज के इस खास आर्टिकल में बताने वाले हैं।

अगर इस हफ्ते हफ्ते आपकी सेक्स लाइफ कैसी होने वाली है इसके बारे में जानना चाहते हैं कि तो आपको बता दे कि इस सप्ताह के अंत में मकर चंद्रमा आपके चार्ट के साहसिक क्षेत्र को सक्रिय करता है, इसलिए आप बेडरूम में जितनी अधिक विविधता ला सकते हैं, उतना बेहतर होगा! हालाँकि, सप्ताह के बाकी दिन कम मज़ेदार हैं। इसलिए जरूरी है कि आपको सेक्स के अलावा आपको अपने पार्टनर को समझने की आवश्यकता हैं। आप अपने रिश्ते की स्थिति की जाँच करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सिंगल लोगों को प्यार को पाने के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। आज अपने प्रेमी को ज़रूरत से ज़्यादा देना उल्टा पड़ सकता है। रिश्ते में देना और प्राप्त करना दोनों पक्षों के लिए अच्छा है, लेकिन पूर्व के साथ भटक जाना और पारस्परिकता न होने पर नाराजगी महसूस करना आसान है। ऐसे में आप कुछ अच्छा करने की सोच में अपने पार्टनर को नाराज भी कर सकते हैं। इस लिए पहले से ही पार्टनर को मनाने के तरीके ध्यान कर ले। अपने साथी की मदद करने से पहले उनकी जरूरतों और भावनाओं का ख्याल रखें। आज कार्यक्षेत्र में किसी नए व्यक्ति के साथ घुलने-मिलने का मन करेगा। आप उनके प्रति आकर्षित महसूस करेंगे, जो उनके साथ बातचीत करने और फ़्लर्ट करने के लिए और अधिक आकर्षक बना देगा। आपको यह ध्यान रखना चाहिए कि हो सकता है कि दूसरा व्यक्ति अपने व्यक्तिगत कारणों से आपके बारे में वैसा ही महसूस न करे। इसलिए देखें कि आप अपनी भावनाओं को कैसे व्यक्त करते हैं और हर्ट महसूस करने से बचने की पूरी कोशिश करें।आपका जीवनसाथी आज आपको असुरक्षित महसूस करने की वजह दे सकता है। यदि आपका साथी मदद करने के लिए अत्यधिक उत्सुक है, तो यह आपको असहज महसूस करवा सकता है। यदि आप अविवाहित हैं, तो किसी और के साथ प्रतिबद्ध होने की कल्पना करना कठिन हो सकता है। भागने या लड़ाई में शामिल होने की अपनी इच्छा को एक तरफ रख दें और चीजों को सोचने के लिए खुद को कुछ समय दें। यदि आप अंत नहीं करना चाहते हैं, तो दिन की शुरुआत में सीमाएं स्थापित करें। इस हफ्ते एक दयालु और सहानुभूतिपूर्ण परिचित से प्रोत्साहन मिल सकता है, जो एक संभावित रोमांटिक साथी भी हो सकता है। याद रखें कि आप उस दोस्त से अच्छी खबर सुन रहे होंगे, इसलिए पूरा ध्यान दें और अपने विचारों को उन तक पहुँचाने का अवसर न चूकें। उस व्यक्ति के साथ एक व्यक्तिगत बंधन बनाने के लिए अपनी पहल और हिम्मत का प्रयोग करें। इस हफ्ते आप फ़्लर्ट करने और कुछ जुनून दिखाने की चाहत में हो सकते हैं। कुछ भी नहीं करने में समय बर्बाद मत करो, लेकिन वही उबाऊ गतिविधियों को न दोहराएं। एक स्वस्थ रिश्ते के लिए मज़ेदार डेट पर जाना आवश्यक है, भले ही आप लंबे समय से साथ हों। थिएटर या लाइव प्रदर्शन में रात का आनंद लें। वैकल्पिक रूप से, एक रोमांटिक शाम की योजना बनाएं और शाम को मज़ेदार बनाएं। अपने साथी के प्रति आपका शारीरिक आकर्षण भले ही सामान्य से कम हो, लेकिन आपके भावनात्मक जुड़ाव की गहराई और एक-दूसरे के प्रति समर्पण की तीव्रता बढ़ने की संभावना है। इस क्षणभंगुर चरण के बारे में बहुत अधिक चिंता न करें क्योंकि आप जो भावनात्मक निकटता का अनुभव करेंगे, वह आपके रिश्ते के अन्य क्षेत्रों में और भी गहरे जुड़ाव का कारण बनेगी। आपके रोमांटिक क़िस्म कभी भी इतने अच्छे नहीं रहे जितने आज हैं। यह संभव है कि आप दोनों एक दूसरे को वास्तव में शांत, सुखदायक और देखभाल करने वाली ऊर्जा दें। इस खास दिन पर अपनी एकता बनाए रखें। बाहर निकलो और आज अपने प्यार का जश्न मनाओ। थोड़ी देर के लिए अपनी परवाह छोड़ दें और अपने साथी पर ध्यान दें; वे आज आपके अविभाजित ध्यान के पात्र हैं।

हाल ही में मिले संभावित रोमांटिक हितों को लेकर टूटे हुए सपनों के कारण आप आज उदास महसूस कर सकते हैं। यदि आपने बहुत समय और प्रयास के बाद खोज नहीं की है, तो आपको अपने आप से नीचे नहीं उतरना चाहिए। यदि आप अपने सामाजिक दायरे का विस्तार करना जारी रखते हैं और दिलचस्प नए लोगों से मिलते हैं, तो आप कभी नहीं जान पाएंगे कि आप अपने जीवन के प्यार से कब मिल सकते हैं।आज सच बोलने के लिए समय ठीक है। यदि आप हाल ही में प्यार की भावना से अभिभूत महसूस कर रहे हैं, तो अब इसे बाहर निकालने का समय है। दूसरे व्यक्ति के लिए, आप अपनी गहरी भावनाओं को उन तरीकों से व्यक्त करने में सक्षम होंगे जो वे वास्तव में समझेंगे। स्वच्छ आओ और जो आप इतने लंबे समय से सोच रहे थे उसे साझा करें। अपनी कुंठाओं को दूर करने से आप काफी बेहतर महसूस करेंगे।

दार्जिलिंग घूमने का प्लान बना रहे हैं तो नेशनल सेन्शेल पार्क जाना ना भूलें

दार्जिलिंग अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए जाता है। दार्जिलिंग हरे-भरे चाय के बागान, खूबसूरत प्राकृतिक नज़ारो और धीमी रफ्तार से चलती हुयी टॉय ट्रेन के लिए मशहूर है ।यहां पहाड़ की छोटी पर बसा हुआ एक बहुत ही खूबसूरत शहर है ।दार्जिलिंग अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए मशहूर है यह तो हम सभी जानते है। दार्जिलिंग के हरे-भरे चाय के बागान, खूबसूरत प्राकृतिक नज़ारों और धीमी रफ्तार से चलती हुयी टॉय ट्रेन के लिए मशहूर है। दार्जिलिंग अंग्रेजों का पसंदीदा स्थान था। दार्जिलिंग का ठण?डा वातावरण तथा बर्फबारी अंग्रेजों के मुफीद थी। दार्जिलिंग पहाड़ की चोटी पर बसा हुआ एक बहुत ही खूबसूरत शहर है। बहुत कम लोग जानते है यहां आज़ादी से पहले स्थापित नेशनल पार्क भी है। वैसे तो दार्जिलिंग में बहुत से पार्क है। लेकिन इस नेशनल पार्क की बात ही कुछ और है, जी हाँ हम बात कर रहे है सेन्शेल वन्य जीव अभ्यारण की। यह यहां का सबसे पुराना पार्क कहा जाता है। यह पार्क दार्जिलिंग के नारंगी घाटी में स्थित सितोंग नाम के एक छोटे से गांव में स्थित है। यह अभ्यारण लगभग 39 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें कई प्रकार की वनस्पतियाँ पायी जाती है। इस अभ्यारण में ओक, धूपी, कापूसी और कावळा के पेड़ है।

इस अभ्यारण में एक खूबसूरत झील भी मौजूद है जो इस पार्क की सुंदरता को और बढ़ाती है। यहां आप हिमालयी भालू के भी दर्शन कर सकते हैं इसके साथ ही कई दुर्लभ हिमालयी प्रजातियां जैसे हिमालयी सियार, हिमालयी उड़ने वाली गिलहरी के लिए भी मशहूर है। इसके साथ ही आपको जंगली बिल्ली और भारतीय तेंदुए के भी दर्शन हो सकते हैं। ओंक के विशाल पेड़ों के साथ ही आप बहुत सारे हिमालयी पक्षियों को भी देख सकते हैं जो कि यह के प्राकृतिक नज़ारों को और खूबसूरत बना देते हैं। कंचनजंगा की पहाड़ियां तो इस अभ्यारण की खूबसूरती को और बढ़ा देती है। अगर आप वेकेशन के लिए कहीं जाने का प्लान कर रहे हैं तो दार्जिलिंग का यह अभ्यारण आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है।

कब जायें -मार्च से जून सबसे अच्छा समय है ज़्योंकि जब भारत के अन्य राज्यों में भारी गर्मी पड़ रही होती है तब यहां का तापमान 14 से 8 डिग्री सेल्सियस तक रहता है। बर्फ प्रेमियों के लिए जनवरी सबसे अच्छा समय है। वैसे तो आप अज़्टूबर-नवज़्बर में भी दार्जिलिंग घूमने का प्लान बना सकते हैं।

दार्जिलिंग घूमने में खर्च-दार्जिलिंग की ट्रिप आप कम पैसों में भी कर सकते हैं। यहां आपको 1500 में होटल मिल जायेगा। आप 5000-10000 में आराम से दार्जिलिंग की सैर कर सकते हैं।

स्थानीय खानपान -दार्जिलिंग घूमने जाए तो यहां के स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेना मत भूलियेगा। यहां के स्थानीय नूडल्स सूप और मसालेदार चावल बहुत ही लाजवाब होते हैं। मोमोज़ तो मशहूर हैं।

भारतीय स्मारक, जिन्हे देखकर रह जायेंगे दंग

हमारे देश में मुग़ल काल से लेकर प्राचीन काल के साक्ष्य मौजूद है जिसमे रामायण काल और महाभारत काल के साक्ष्य भी शामिल है जो इसकी ऐतिहासिक धरोहर है। चलते है कुछ ऐसी ही भारतीय धरोहरों की सैर पर जिन्हे देख कर देश विदेश से आये पर्यटक दंग रह जाते है और उनको भारत के गौरवपूर्ण इतिहास का पता चलता है।

प्राचीन समय से ही भारत को इसकी सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक सम्पन्नता के लिए जाना जाता है। भारत में मुग़ल काल से लेकर प्राचीन काल के साक्ष्य मौजूद है जिसमे रामायण काल और महाभारत काल के साक्ष्य भी शामिल है जो इसकी ऐतिहासिक धरोहर है। मुग़ल काल में निर्मित ऐतिहासिक धरोहरों को हम कैसे भूल सकते है। आइये आपको ले चलते है कुछ ऐसी ही भारतीय धरोहरों की सैर पर जिन्हे देख कर देश विदेश से आये पर्यटक दंग रह जाते है और उनको भारत के गौरवपूर्ण इतिहास का पता चलता है।

राजस्थान का नाम सुनते ही लोगो के मन में हवा महल की तस्वीर बन जाती है। हवा महल राजस्थान की पहचान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह गुलाबी शहर का सबसे लोकप्रिय पर्यटक स्थल है इसका अर्थ है %हवाओं का महल%। इसका निर्माण 1799 में महाराजा सवाई प्रताप सिंह ने बनवाया था। इसमें 950 से भी ज़्?यादा खिड़कियां है। यह महल लाल और गुलाबी बलुआ पत्?थर से बना हुआ है और यह महल मधुमखियों के छत्ते की तरह से बनाया गया है।

मैसूर महल-इस महल में पर्यटकों की बहुत भीड़ होती है। शाम के समय इस महल में लाइट जलाई जाती है जिससे इसकी खूबसूरती और बढ़ जाती है। इस महल को अंबा पैलेस के नाम से भी जाना जाता है। महल के साथ-साथ यहां 44.2 मीटर ऊंचा एक पांचमंज़िल का टावर भी है, जिसके गुंबद को सोने से बनाया गया है। इसका निर्माण 14वीं सदी में वाडियार राजाओं ने करवाया था। यह वाडियार महाराजाओं का निवास स्थान हुआ करता था। मैसूर पैलेस **ताज महल** -की गिनती विश्व के सात अजूबो में की जाती है। शायद ही कोई ऐसा विदेशी पर्यटक होगा जो इंडिया आये और ताज महल के दीदार करने ना पहुचें। इसका निर्माण मुगल बादशाह शाहजहां ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में करवाया था। इसका निर्माण कार्य 1632 में शुरु हुआ और 1653 में ताजमहल बनकर तैयार हुआ। सफेद संगमरमर से बना यह मकबरा बहुत ही खूबसूरत है। ताजमहल भारतीय, पर्सियन और इस्लामिक वास्तुशिल्पीय शैली के मिश्रण का एक खूबसूरत नमूना है।

लाल किला-इस किले को %लाल किला% इसकी दीवारों के लाल रंग के कारण कहा जाता है। यह किला बलुआ पत्थर से निर्मित है। विश्व धरोहर की लिस्ट में शामिल दुनिया के इस सर्वश्रेष्ठ किले के निर्माण मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा 1638 ईसवी में कराया गया इसका असली नाम किला-ए-मुबारक है। मुगल शासन में शाही परिवार के लोग इसे मुबारक किला भी कहते थे। आज़ादी के बाद भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 15 अगस्त 1947 को यही पर तिरंगा फहराया था। तब से यह परंपरा चली आ रही है और हर स्वतंत्रता दिवस पर यहां लाल क़िले की प्राचीर पर झंडा फहराया जाता है। यहीं से देश के प्रधानमंत्री देश के लोगों को संबोधित करते है। लाल किला आप मंगलवार से रविवार तक सुबह 7 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच कभी भी घूम सकते है। सोमवार को किला बंद रहता है।

साँची स्तूप-

साँची का स्तूप मध्य प्रदेश के रायसेन ज़िले में साँची नगर के पास एक पहाड़ी पर स्थित एक छोटा सा गांव है। यहां भगवान् बुद्ध की पूजा की जाती है। सांची में सम्राट अशोक के बनवाये हुए स्तूप है जो बौद्ध धर्म के इतिहास को समेटे हुए हैं। इन स्?तूपों में महात्मा बुद्ध के अवशेष रखे गए थे। सांची के स्तूप शांति, पवित्रता, धर्म और साहस का प्रतीक माने जाते हैं। साँची का पुराना नाम कंकेनवा,ककान्या आदि जाना जाता है। **एलोरा की गुफाएं** - इन गुफाओं का निर्माण राष्ट्रकूट वंश के समय के दौरान हुआ था। जिन्होंने हिंदू और बौद्ध धर्म से सम्बंधित गुफाओं को बनाया था। यहां 17 हिंदू गुफाएं, 12 बौद्ध और पांच जैन गुफाएं हैं जिनमें देवताओं से संबंधित नक्काशी की गयी है और मठ भी हैं जो प्रत्येक धर्म की पौराणिक कथाओं को दर्शाते हैं। इसमें स्थित मंदिर का निर्माण राष्ट्रकूट राजा कृष्ण प्रथम ने कराया था। एलोरा गुफाएं व्यापार मार्ग होने के अलावा यात्रा करने वाले बौद्ध और जैन भिक्षुओं के आवास के भी रूप में इस्तेमाल किया जाता था।

स्वर्ण मंदिर -स्वर्ण मंदिर सिखों का एक केंद्रीय धार्मिक स्थान है। स्वर्ण मंदिर सभी धर्मों की समानता का प्रतीक भी है। हर कोई, चाहे वह किसी भी जाति, पंथ या नस्ल का क्यों न हो, बिना किसी रोक टोक के आ सकता है। यह अमृतसर में स्थित है। यह मंदिर लगभग 500 किलो सोने से सजा हुआ है। इस मंदिर में लगभग रोज हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते है। अफगान हमलावरों ने इस मंदिर को 19 शताब्दी में पूरी तरह नष्ट कर दिया था। इसके बाद महाराजा रणजीत सिंह ने इसे दोबारा बनवाया और सोने की परत से सजाया था। इसी वजह से इसे स्वर्ण मंदिर कहा जाता है।

बनारस की सैर और गंगा आरती का लें आनंद

आया है। यह काफी सस्ता है और इसमें आपके लिए बहुत कुछ है। चलिए जानते हैं इस पैकेज में क्या खास है आपके लिएबाबा भोलेनाथ की नगरी वाराणसी घूमने के लिए भी शानदार जगह है। वाराणसी सबसे प्राचीन नगरी कही जाती है। यहां के मंदिर और यहां के गंगा घाट पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां देश से ही नहीं बल्कि विदेशो से भी लोग घूमने के लिए आते हैं। यह भारत की सांस्कृतिक राजधानी भी कही जाती है। यहां के गंगा घाट आपका मन मोह लेंगे। अगर आप भी बनारस घूमने का प्लान कर रहें हैं तो आईआरसीटीसी आपके लिए एक टूअर पैकेज लेकर आया है। यह काफी सस्ता है और इसमें आपके लिए बहुत कुछ है। चलिए जानते है इस पैकेज में क्या खास है आपके लिएइस टूर पैकेज की शुरुआत जयपुर से होगी। यात्रा मरुधर एक्सप्रेस से कराई जाएगी। यह सुबह साढ़े नौ या दस बजे तक आपको वाराणसी पहुचायेगी। इसके बाद आपको होटल ले जाया जायेगा। वहां से ब्रेकफास्ट के बाद आपको बनारस के मंदिरों और गंगा घाट के दर्शन कराये जायेंगे।

इस टूर के दौरान आप बनारस के सभी प्रसिद्ध मंदिर जैसे कशी विश्वनाथ धाम, भारतमाता मंदिर, काल भैरव मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, दुर्गा कुंड आदि के दर्शन करेंगे। शाम को आप गंगा आरती का आनंद ले सकते हैं।

प्रकृति की सुंदरता का आनंद लेना है तो जरूर जाएं दादरा और नागर हवेली

दादरा और नागर हवेली उत्तर-पश्चिम और पूर्व में गुजरात के वलसाड जिले से और दक्षिण और दक्षिण-पूर्व में महाराष्ट्र के ठाणे और नाशिक जिले से घिरा हुआ है। दादरा और नागर हवेली के ज्यादातर हिस्से पहाड़ी है। इसके पूर्वी दिशा में सहयाद्री पर्वत श्रृंखला भी है।

महाराष्ट्र और गुजरात के बीच में स्थित केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नागर हवेली को प्रकृति ने काफी खूबसूरती प्रदान की है। इतिहास में उल्लेख मिलता है कि इस प्रदेश पर 1779 तक मराठाओं का और फिर 1954 तक पुर्तगाली साम्राज्य का शासन रहा। दादरा और नागर हवेली का 11 अगस्त 1961 को भारत में विलय किया गया था तबसे हर साल 2 अगस्त को मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है ।मूलतः आदिवासी बहुल इस इलाके का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा वनों से घिरा है। इन वनों में विभिन्न प्रकार की वनस्पति है। इस इलाके की खासियत यह है कि समुद्री तट से निकटता के कारण यहां गर्मियों में तापमान ज्यादा ऊपर नहीं जाता। घने वन तथा अनुकूल जलवायु की वजह से इस इलाके में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। यहां पर्यटकों के ठहरने के लिए अनेक होटल्स और रिज़ॉर्ट्स हैं। स्थानीय प्रशासन की ओर से पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यहां हर साल तारपा उत्सव, पतंग उत्सव और विश्व पर्यटन दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। दादरा नागर हवेली पर्यटन का केंद्र होने के साथ ही औद्योगिक केंद्र भी है। दादरा और नागर हवेली उत्तर-पश्चिम और पूर्व में गुजरात के वलसाड जिले से और दक्षिण और दक्षिण-पूर्व में महाराष्ट्र के ठाणे और नाशिक जिले से घिरा हुआ है। दादरा और नागर हवेली के ज्यादातर हिस्से पहाड़ी है। इसके पूर्वी दिशा में सहयाद्री पर्वत श्रृंखला भी है। यहां दमनगंगा नदी पश्चिमी तट से निकल कर, दादरा और नागर हवेली को पार करते हुए दमन में अरब सागर से जा मिलती है। इसकी तीन सहायक नदियां- पीरी, वर्ना और सकर्तोंद भी प्रदेश की मुख्य जल स्त्रोत हैं। सिलवासा यहां की राजधानी है।

यदि आप भी दादरा और नागर हवेली आना चाहते हैं तो यहां मई से अगस्त के बीच का समय छोड़कर कभी भी आएंगे तो यहां का मौसम अच्छा पाएंगे। बहुत से लोग तो यहां की बारिश का भी मजा लेने आते हैं। दादरा और नागर हवेली हवाई, रेल और सड़क मार्ग से पूरी तरह जुड़ा हुआ है इसलिए आप कहीं से भी यहां आसानी से पहुँच सकते हैं। यदि आप बजट ट्रैवल की सोच रहे हैं तो भी यहां आ सकते हैं क्योंकि यह इलाका कोई खास महंगा नहीं है।

जिम में साइकिलिंग करते हुए ना करें ये मिसटेक्स

ई बार ऐसा होता है कि हम साइकिलिंग करते हुए अपनी कमर को आगे झुका लेते हैं। जबकि यह तरीका काफी गलत होता है। जब भी आप साइकिलिंग करते हैं तो यह अवश्य ध्यान दें कि आप आगे की ओर ना झुकें, बल्कि अपनी कमर को सीधा रखें।

जब बात कार्डियो वर्कआउट की होती है तो उसमें लोग साइकिलिंग को अवश्य करते हैं। साइकिलिंग एक आसान वर्कआउट है, जो शरीर की अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने में मददगार है। जिससे वेट लॉस में मदद मिलती है। हालांकि, कई बार हम साइकिलिंग करते हुए कुछ ऐसी छोटी-छोटी मिसटेक्स करते हैं, जिससे वर्कआउट का भी पूरा लाभ नहीं मिल पाता है और वेट लॉस करने में समस्या होती है। तो चलिए आज इस लेख में प्रोफेशनल जिम ट्रेनर अमन ठाकुर आपको जिम में साइकिलिंग करते हुए की जाने वाली कुछ मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं-

कई बार ऐसा होता है कि हम साइकिलिंग करते हुए अपनी कमर को आगे झुका लेते हैं। जबकि यह तरीका काफी गलत होता है। जब भी आप साइकिलिंग करते हैं तो यह अवश्य ध्यान दें कि आप आगे की ओर ना झुकें, बल्कि अपनी कमर को सीधा रखें।

लगाएं थोड़ा प्रेशर

जब आप साइकिलिंग कर रहे हैं तो यह जरूरी होता है कि आप अपनी अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने का प्रयास करें। कई बार हम अपनी साइकिल को काफी लूज कर देते हैं और इस तरह साइकिल करना काफी आसान हो जाता है। हालांकि, इस तरह एक्सरसाइज करने का कोई लाभ नहीं होता। इसलिए, अगर आप सच में अतिरिक्त कैलोरी बर्न करना चाहते हैं तो ऐसे में आप अपनी साइकिल को थोड़ा हार्ड मोड पर सेट करें, जिससे आपको वर्कआउट करते हुए आपकी कैलोरी बर्न हो और वेट लॉस में मदद मिलेग ।पैरों के पोश्चर पर दें ध्यानसाइकिलिंग करते हुए पैरों के पोश्चर पर ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। कुछ लोग साइकिलिंग के दौरान अपनी सीट को काफी नीचा कर लेते हैं। जिसके कारण जब वह पैडल मारते हैं और उनका पैर नीचे जाता है, तब भी उनका घुटना मुड़ा हुआ ही होता है। लेकिन यह पोश्चर गलत है। आपको अपनी सीट को इतना ऊपर रखना चाहिए कि जब आप पैडल मारे तो पैर नीचे करने पर आपका पैर व घुटना एकदम सीधा होना चाहिए।

तो अब आप भी जिम में साइकिलिंग करते हुए इन छोटी-छोटी मिसटेक्स को अवॉयड करें और अपने वर्कआउट से बेस्ट रिजल्ट पाएं।

बुजुर्ग महिला की हत्या के दोषी को फांसी की सजा

फिरोजाबाद। एक स्थानीय अदालत ने पिछले साल 70 वर्षीय एक महिला की हत्या के मामले में एक व्यक्ति को मौत की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के वकील अजय कुमार शर्मा ने बुधवार को बताया कि एक अप्रैल 2022 को उत्तर थाना क्षेत्र के आर्यनगर क्षेत्र की रहने वाली कमला देवी की उसकी नातिन के पति तरुण गोयल ने धन हड़पने के मकसद से गला रेत कर हत्या कर दी थी। देवी को बचाने की कोशिश में उसकी नौकरानी रेनू घायल हो गई थी। उन्होंने बताया कि गोयल मेरठ में कारोबार करता था लेकिन खुद पर कर्ज का बोझ ज्यादा हो जाने के कारण वह फिरोजाबाद आ गया और अपनी पत्नी के साथ उत्तर थाना क्षेत्र के लोहिया नगर में रहने लगा था।

शर्मा ने बताया कि यह जानने के बाद कि उसकी पत्नी की नानी कमला देवी के पास धन है, उसने वह धन हड़पने के लिए कमला देवी को घर पर अकेला पाकर कांच के टुकड़े से उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मृतका के पोते अर्पित जिंदल ने मामला दर्ज कराया था। अपर सत्र न्यायाधीश (षष्ठम) आजाद सिंह ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद मंगलवार को आरोपी तरुण गोयल को दोषी ठहराते हुए उसे फांसी की सजा सुनाई।

एक शख्स निकला 40 महिलाओं का पति, जनगणना में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

बिहार के अरवल जिले में जातीय जनगणना करने के दौरान एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां करीब 40 महिलाओं का एक ही पति है. जनगणना के दौरान खुलासा हुआ है कि 40 महिलाओं ने एक ही शख्स को अपना पति बताया है और अपने पति का नाम 'रूपचंद' लिखवाया है. मामला अरवल नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 7 में रेड लाइट एरिया का है.जातीय जनगणना के दौरान 40 महिलाओं ने पति की जगह एक ही नाम रूपचंद का लिखवाया है, लेकिन इस शख्स का कोई पता नहीं है. क्योंकि, इस नाम का कोई शख्स ही नहीं है और महिलाओं ने इसी तरह ये नाम लिखवा दिया है. कहा जा रहा है कि रूपचंद एक आभासी व्यक्ति है, जो जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है.यह मामला, बिहार के अरवल जिले के अरवल नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 7 में रेड लाइट एरिया का है, जहां रहने वाली महिलाओं ने रूपचंद को अपना पति बताया है. यहां रहने वाली महिलाएं शादी-विवाह के अवसर पर नाच-गाकर अपना गुजारा करती हैं. जब जनगणना करने वाले कर्मचारी इस इलाके में पहुंचे तो यह चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया.

रेड लाइट एरिया में रहने वाली महिलाएं रूपचंद को ही सबकुछ मानती हैं. रेड लाइट इलाके में ऐसे दर्जनों परिवार हैं, जिन्होंने रूपचंद को अपना सब कुछ माना है. रूपचंद कौन है और कहां है? इसके बारे में कोई नहीं जानता है. जातीय जनगणना करने पहुंचे राजीव रंजन राकेश ने बताया कि रेड लाइट एरिया में रहने वाली महिलाओं ने अपने पति, पिता और पुत्र का नाम रूपचंद बताया.

राजीव रंजन राकेश ने बताया कि जब इसके बारे में जानकारी जुटाई गई कि रूपचंद कौन है तो पता चला कि रूपचंद कोई आदमी नहीं है. करीब 2 दर्जन से अधिक महिलाओं में किसी का पति, किसी का पिता तो किसी का पुत्र रूपचंद है. रूपचंद की जाति आधार कार्ड में नट है और इस आधार पर जनगणना में इन परिवारों को 97 नंबर कोड दिया गया है, जो नट जाति के लिए निर्धारित की गई है.

1 मई से बंद रहेगा शिरडी का साई मंदिर, सामने आई बड़ी वजह

महाराष्ट्र में शिरडी के साईं बाबा के मंदिर में सीआईएसएफ की तैनाती का विरोध किया जा रहा है. शिरडी के ग्रामीण सीआईएसएफ की तैनाती का विरोध कर रहे हैं. इस बीच ऐलान किया गया है कि 1 मई से शिरडी का साईं बाबा मंदर बंद रहेगा. शिरडी में 1 मई से बेमियादी बंद जारी रहेगा. बता दें कि देश-दुनिया के करोड़ों लोगों की साईं में श्रद्धा है. साईं का सबसे प्रसिद्ध मंदिर शिरडी वाला ही माना जाता है. शिरडी के साईं मंदिर में श्रद्धालु खूब दान करते हैं. इस मंदिर में आने वाला दान अक्सर चर्चा का विषय बना रहता है. ऐसे में 1 मई से शिरडी के साईं मंदिर को बंद करने घोषणा श्रद्धालुओं को हैरानी में डालने वाली है.लेकिन अब, महाराष्ट्र के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल शिरडी के साईं मंदिर में बंद का आह्वान किया गया है. साईं बाबा मंदिर की सिक्योरिटी के लिए सीआईएसएफ की तैनाती के सरकार के फैसले के खिलाफ बेमियादी बंद का आह्वान किया गया है. दरअसल, शिरडी के साईं मंदिर का प्रशासन सीआईएसएफ की तैनाती का विरोध कर रहा है.गौरतलब है कि अहमदनगर के शिरडी में बना साईं बाबा का ये मंदिर भारत के बाहर तक प्रसिद्ध है. देश-विदेश से लोग यहां साईं बाबा के दर्शन के लिए आते हैं. हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु शिरडी के साईं मंदिर में पहुंचते हैं. शिरडी का साईं मंदिर अहमदनगर-मनमाड हाईवे पर स्थित है.जान लें कि यही सीआईएसएफ तमाम औद्योगिक प्रतिष्ठानों, मेट्रो स्टेशन और एयरपोर्ट की सुरक्षा करती है. लेकिन, शिरडी में रहने वाले लोग मंदिर वहां सीआईएसएफ के तैनात होने से खुश नहीं है.

स्कूल में छात्राओं को अश्लील वीडियो दिखाने के मामले में शिक्षक गिरफ्तार

फगवाड़ा। पंजाब के फगवाड़ा के एक स्कूल में छठी कक्षा की छात्राओं को एलसीडी स्क्रीन पर अश्लील वीडियो दिखाने और अश्लील हरकत करने के आरोप में एक शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। सतनामपुरा थाने के प्रभारी गुरिंदरजीत सिंह ने शनिवार को बताया कि छात्रा के पिता की शिकायत पर शिक्षक राजीव शर्मा को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी गोबिंदपुरा मोहल्ला के राजकीय माध्यमिक स्मार्ट स्कूल में शिक्षक है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और पॉक्सो कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उत्तर प्रदेश में बिजली होगी महंगी, नए कनेक्शन के लिए 15 फीसदी ज्यादा देने होंगे पैसे!

उत्तर प्रदेश में बिजली महंगी होने वाली है. प्रदेश में बिजली की दरों को बढ़ाने की तैयारी जोरों पर है. जानकारी के मुताबिक, होने वाले बदलाव के बाद नया कनेक्शन लेना भी 15 परसेंट महंगा हो सकता है. दरअसल, यूपी का पावर कॉर्पोरेशन बिजली कनेक्शन में इस्तेमाल होने वाली सामग्रियों जैसे खंभे और ट्रांसफॉर्मर की कीमतों को बढ़ाने की तैयारी कर रहा है. पावर कॉर्पोरेशन सामान की नई रेट लिस्ट का प्रस्ताव नियामक आयोग को मंजूरी के लिए भेजने वाला है. हालांकि, बताया जा रहा है कि नई रेट लिस्ट बुक (कॉस्ट डेटा बुक) में 5 किलोवॉट से कम लोड के मीटर वाले उपभोक्ताओं को कुछ राहत मिल सकती है.

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने कनेक्शन के बिना बिजली का इस्तेमाल करने वाले और बिजली कनेक्शन से छूटे हुए लोगों की पहचान करने का आदेश जारी किया है. उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड कनेक्श के बिना बिजली का इस्तेमाल करने वाले घरों का पता लगाने के लिए ग्राम पंचायत में रजिस्टर परिवारों और शहरी क्षेत्रों के घरों का विवरण एकत्रित कर एक अभियान शुरू कर रहा है.

सरकार के मुताबिक, ऊबिजली चोरी की समस्या से निपटने के लिए, उत्तर प्रदेश सरकार ने बिना कनेक्शन के बिजली का उपयोग करने वालों की पहचान करने के लिए कदम उठाए हैं. साथ ही ये भी सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है कि हर घर में बिजली की उचित सुविधा मिल सके. 'नोडल एजेंसी यूपीपीसीएल ने कहा कि जिन लोगों के खिलाफ चोरी के मामले हैं और जिनके बिजली बिलों का बकाया है, उन्हें कनेक्शन के लिए डिक्लेरेशन देना होगा. राज्य सरकार ने बताया, 'मीटर लगाकर ही सभी कनेक्शन जारी किए जाएंगे और सप्ताह के अंत तक ऐसे कनेक्शनों के रजिस्ट्रेशन की जिम्मेदारी जूनियर इंजीनियर की होगी. जिन लोगों के खिलाफ बिजली चोरी के मामले में बकाया बाकी है और पूर्व में एफआईआर दर्ज कराई गई है, उन्हें सादे कागज पर डिक्लेरेशन लिखकर देना होगा तभी कनेक्शन दिया जाएगा.

मुख्यमंत्री योगी का खौफ: गैंगस्टर एक्ट का अपराधी हूं, गिरफ्तार कर लो

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार राज्य से गुंडे, बदमाशों और अपराधियों के खात्मे की बात कर रहे हैं और अब इसका असर भी दिखने लगा है. यूपी के संभल जिले में पुलिस के खौफ से गैंगस्टर एक्ट के आरोपी कुख्यात गौ तस्कर जाबुल ने खुद थाने में पहुंचकर सरेंडर किया है. जाबुल हाथ में पोस्टर लेकर थाने पहुंचा, जिस पर लिखा था, 'साहब मुझे गोली नहीं मारना, मैं गैंगस्टर एक्ट का आरोपी हूं साहब, मुझे गिरफ्तार कर लो.' पुलिस ने सरेंडर करने वाले गौ तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है और जेल भेजे जाने के लिए कानूनी कार्रवाई कर रही है.उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का अपराधियों पर साफ नजर आ रहा है. संभल के हयातनगर थाना इलाके का कुख्यात गौ तस्कर और गैंगस्टर एक्ट का आरोपी जाबुल पुलिस कार्रवाई के खौफ से हाथ में पोस्टर लेकर हयात नगर थाने में खुद सरेंडर करने के लिए पहुंच गया. जाबुल को सरेंडर करने के लिए खुद थाने में पहुंचा देखकर पुलिस भी हैरान रह गई. थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों ने गौ तस्कर और गैंगस्टर एक्ट के आरोपी जाबुल को गिरफ्तार कर लिया.संभल जनपद के अपर पुलिस अधीक्षक शिरीष चंद्र ने बताया संभल जनपद के हयातनगर में आज (25 अप्रैल) गैंगस्टर एक्ट का आरोपी गौ तस्कर जाबुल सरेंडर करने के लिए पहुंचा था, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार गौ तस्कर को जेल भेजे जाने के लिए कानूनी कार्रवाई की जा रही है.थाने में सरेंडर करने के बाद जाबुल ने थाना प्रभारी कर्मसिंह पाल से हाथ जोड़कर प्रार्थना की और कहा कि साहब अब मैं अपराधिक घटनाओं से दूर रहूंगा. इसके साथ ही उसने माफी मांगी. थाना प्रभारी ने बताया की आरोपी को अब कोर्ट में पेश किया जाएगा.

रात में ऐसा क्या हो जाता है कि रोने लगते हैं कुत्ते ?

आपने कई बार देखा होगा कि रात में अक्सर कुत्ते जोर-जोर से रोते हैं. उनके रोने की वजह से आसपास रहने वाले लोगों की नींद खुल जाती है और उन्हें किसी मनहूसियत का अहसास होता है. कई लोग कहते हैं कि कुत्तों को जब रात में विचरते भूत-प्रेत दिखते हैं तो वे उन्हें देखकर घबरा जाते हैं और डर की वजह से रोने लगते हैं. लेकिन क्या इस बात में वाकई कोई सच्चाई है या यह फिर केवल कही-सुनाई बात है. आज हम इस बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं.वैज्ञानिकों के मुताबिक रात में कुत्तों के रोने की कई वजहें हो सकती हैं. इनमें एक प्रमुख वजह उम्र बढ़ना भी होती है. उम्र ढलने के साथ जब कुत्ते शारीरिक रूप से कमजोर होने लगते हैं तो वे पहले की तुलना में ज्यादा अकेलापन और उदासी महसूस करने लगते हैं. इसके चलते वे रात में रोकर अपने दुख और निराशा को जाहिर करते हैं. कई बार वे अपने गुजर चुके साथियों को याद करके भी रोते हैं.एक्सपर्ट कहते हैं कि जब दूसरे इलाके का कोई कुत्ता उनके क्षेत्र में आ जाता है तो वहां के कुत्ते रोना शुरू कर देता हैं. ऐसा करके वे अपने इलाके के कुत्तों को सचेत कर रहे होते हैं कि कोई अनजान कुत्ता उनके इलाके में घुस गया है. इसके साथ ही तबियत खराब होने या चोट लगने पर भी कुत्ते रात में रोते हैं.कई अध्ययन रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जब कुत्ते रास्ता भटक जाते हैं या अपने परिवार से बिछड़ जाते हैं तो रात होने पर वे भी निराश होकर जोर-जोर से रोने लगते हैं. यह ठीक वैसी ही भावना होती है, जैसा कि कोई मनुष्य का बच्चा अपने परिवार से बिछड़ने पर जोर-जोर से रोने लग जाए.

उज़र प्रदेश निकाय चुनाव: भाजपा का दबदबा बढ़ा, बिना मतदान मिल गई बड़ी जीत

उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव को लेकर सियासी दलों में रसा-कसी का दौर चल रहा है. कुछ नेता अपना सियासी किला बचाने में लगे हैं तो कुछ पहली बार चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. तमाम जिलों में अलग तरह की सियासी जंग देखने को मिल रही है. लेकिन झांसी में अलग माहौल देखने को मिला. यहां, मतदान और मतगणना से पहले ही भाजपा ने बाजी मार ली. आइये आपको बताते हैं भाजपा प्रत्याशी ने कैसे बिना लड़ाई के ही सियासी किला फतह कर लिया.

भाजपा के लिए ये कमाल कर दिखाया है कुंवर राजेंद्र सिंह ने. उत्तर प्रदेश में इस बार का नगर निकाय चुनाव की लड़ाई दिलचस्प होती जा रही है. इससे पहले झांसी नगर निगम में ही एक पार्षद का निर्विरोध चुनाव हो चुका है. अब कुंवर राजेंद्र सिंह ने झांकी राजनीति में नया इतिहास रच दिया है. बता दें कि कुंवर राजेंद्र झांसी के चिरगांव से निर्विरोध चुन लिए गए हैं.

उतर प्रदेश नगर निकाय चुनाव के प्रथम चरण में झांसी में मतदान होना है. सभी प्रत्याशियों ने 18 अप्रैल तक अपना नामांकन दाखिल कर दिया था. 20 अप्रैल को नामांकन वापस लेने की तारीख थी. नामांकन वापसी में हैरान कर देने वाकया तब दिखा जब समाजवादी पार्टी से लेकर बसपा और सभी निर्दलीय प्रत्याशियों ने अपना नामांकन वापस ले लिया.

झांसी के चिरगांव से सपा की तरफ से मलखान सिंह और बसपा की तरफ नितिन कुमार दीक्षित ने नामांकन भरा था. अब दोनों ही प्रत्याशियों द्वारा नामांकन वापस लेने के बाद झांसी में बसपा और सपा की खूब किरकिरी हो रही है.

किसी भी दल के या निर्दलीय प्रत्याशी के न होने पर चिरगांव नगर पालिका के पीठासीन अधिकारी ने राजेंद्र सिंह की निर्विरोध जीत का ऐलान भी कर दिया है. जीत सुनिश्चित करने के बाद कुंवर राजेंद्र ने विरोधियों पर हमला बोलते हुए अपनी जीत का श्रेय सीएम योगी और पीएम मोदी की डबल इंजन सरकार की नीतियों को दिया. उन्होंने कहा कि ये हमारे पार्टी की जीत है और लोग अब ट्रिपल इंजन की सरकार देखना चाहते हैं.

चिरगांव नगर पालिका के प्रभारी विधायक राजीव पारीछा ने कहा कि विपक्ष के नेता भी भाजपा सरकार के कार्यों और उपलब्धियों से प्रभावित हैं. विपक्ष की हालत ऐसी हो गई है कि उन्हें अब कोई प्रत्याशी ही नहीं मिल रहा. यही कारण है कि सभी प्रत्याशियों ने भाजपा प्रत्याशी को समर्थन देते हुए अपना नामांकन वापस ले लिया.बता दें कि कुंवर राजेंद्र सिंह का चिरगांव में अच्छा दबदबा है. चिरगांव में राजेंद्र सिंह की मजबूत पकड़ लंबे समय से बनी हुई है. इससे पहले तक वे समाजवादी पार्टी के साथ थे. निकाय चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नाम का ऐलान होने से 1 दिन पहले उन्होंने सपा का साथ छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया. वे चिरगांव नगर पालिका के अध्यक्ष भी रह चुके हैं.

हिंदू था गुड्डू मुस्लिम! अतीक ने कराया सैकड़ों लोगों का 'धर्मांतरण', हनुमान गढ़ी के महंत का दावा

अयोध्या के हनुमान गढ़ी मंदिर के महंत राजू दास ने माफिया अतीक अहमद पर एक चौंकाने वाला बयान दिया है. राजू दास ने अतीक अहमद पर जबरन धर्मांतरण कराने का आरोप लगाया है और कहा कि वो माफिया तो था ही, हिंदुओं का धर्मांतरण भी करवाता था. राजू दास ने दावा किया कि अतीक अब तक 12 लोगों का धर्मांतरण करा चुका है, इनमें गुड्डू मुस्लिम भी शामिल है. उन्होंने कहा कि धर्मांतरण से पहले गुड्डू मुस्लिम का नाम आयुष चौधरी था. इसके साथ ही राजू दास ने ये भी कहा कि अतीक अहमद को मरना नहीं चाहिए था क्योंकि उसके मरने के साथ ही कई राज भी दफन हो गए और कई सफेदपोश बेपर्दा होने से बच गए.

हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास ने कहा कि गुड्डू मुस्लिम हिंदू था. उसका नाम आयुष चौधरी था. आप समझ सकते हैं कि किस प्रकार से धर्मांतरण का भी काम किया गया. आप देखो विजय उस्मानी, उसका भी उसने धर्मांतरण कराया. ऐसे पुलिस प्रशासन ने 12 नाम दिए हैं. कई सौ ऐसे मामले हैं, जो उसके साथ काम करते थे, जो उसके साथ था उसका वो धर्मांतरण भी करता था.

इस बीच अतीक की हत्या के तीनों आरोपियों की न्यायिक हिरासत 12 मई तक बढ़ा दी गई है. उधर अतीक की पत्नी शाइस्ता का नया वीडियो सामने आया है. ये वीडियो शाइस्ता को मेयर पद के लिए बीएसपी उम्मीदवार बनाए जाने के बाद का बताया जा रहा है, जिसमें वो जनसंपर्क करती हुई दिखाई दे रही है. कहा जा रहा है कि ये वीडियो उमेश पाल हत्याकांड से एक महीने पहले का है और इसमें शाइस्ता परवीन के साथ 5 लाख का इनामी शूटर अरमान भी दिख रहा है. ये वीडियो कसारी-मसारी और नीवा इलाके का बताया जा रहा है जिसमें वो शूटर अरमान और अपने समर्थकों के साथ जनसंपर्क कर रही है.

गौरतलब है कि शाइस्ता परवीन उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी बनाई गई है. उस पर 50 हजार का इनाम भी घोषित है लेकिन वो अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर है. इस बीच शाइस्ता के हर दिन नए वीडियो सामने आ रहे हैं. शाइस्ता कहां है इसका जवाब किसी के पास नहीं है.

कहा जा रहा है कि उमेश पाल मर्डर केस की साजिश भले ही अतीक और अशरफ ने रची हो लेकिन उसे अमलीजामा शाइस्ता ने ही पहनाया. आरोप है कि शाइस्ता ने शूटर्स को हथियार और पैसे पहुंचाने से लेकर फरार होने तक का इंतजाम कराया. शाइस्ता, उमेश पाल हत्याकांड से ठीक पहले भी एक सीसीटीवी में नजर आई थी. 19 फरवरी के इस ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज में शाइस्ता के साथ उमेश पाल हत्याकांड में शामिल शूटर साबिर भी नजर आया था. साबिर पर पांच लाख का इनाम है.

मुंबई में वेश्यावृत्ति गिरोह का भंडाफोड़,उज्बेक की दो महिलाएं छुड़ाई गईं , चार लोग गिरफ्तार

मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने एक वेश्यावृत्ति गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए उज्बेक की दो महिलाओं को उपनगरीय अंधेरी के एक होटल से छुड़ाया और गिरोह में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने मंगलवार को बताया कि अपराध शाखा के प्रवर्तन प्रकोष्ठ ने खुफिया जानकारी के आधार पर सोमवार शाम अंधेरी पूर्व के एक होटल पर छापा मारा और उज्बेक की दो महिलाओं को बचाया ।अधिकारी के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों ने उज्बेक की दोनों महिलाओं को भारतीय नागरिक के तौर पर पेश करने के लिए उनके फर्जी आधार कार्ड बनवाए थे। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने दोनों महिलाओं के पासपोर्ट भी ले लिए थे और उन्हें लौटाने के लिए दो लाख रुपये की मांग की थी।

प्रेमी ने महिला के बेटे को उबलते पानी की बाल्टी में डालकर मार डाला

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना में एक व्यक्ति ने 15 महीने के बच्चे को कथित तौर पर उबलते पानी की बाल्टी में डालकर मार डाला। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ऐसा बताया जा रहा है कि आरोपी के इस बच्चे की मां से कथित तौर पर अवैध संबंध थे। पुलिस ने बताया कि यह घटना छह अप्रैल को चाकण के समीप शेत पिंपलगांव में हुई। बच्चा गर्म पानी से बुरी तरह झुलस गया और 18 अप्रैल को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस निरीक्षक वैभव शिंगरे ने बताया कि आरोपी को दो दिन पहले गिरफ्तार किया गया है। वह बच्चे की मां से नाराज था क्योंकि वह उससे शादी करने के लिए तैयार नहीं थी।

उन्होंने कहा, ''जांच में पता चला कि जब महिला घर पर नहीं थी तब आरोपी ने बच्चे को कथित तौर पर उबलते पानी की बाल्टी में डाल दिया और बाद में कहानी गढ़ी कि बच्चा दुर्घटनावश बाल्टी से टकराया तथा गर्म पानी उस पर गिर गया।'' उन्होंने बताया कि महिला की बहन ने आरोपी को, बच्चे को गर्म पानी की बाल्टी में डालते हुए देख लिया था लेकिन आरोपी ने उसे चुप रहने के लिए धमकी दी थी। अधिकारी ने कहा, ''बच्चे की मौत के बाद महिला की बहन ने उसे असलियत बतायी। इसके बाद बच्चे की मां ने पुलिस में शिकायत दर्ज करायी

द स्पोर्ट्स हब को देखकर गदगद हो गये सीएम के सलाहकार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मिनी स्पोर्ट्स सिटी के रूप में विकसित हो रहा है। भारत सरकार और उ0प्र0 प्रदेश सरकार की खेलो इण्डिया और स्मार्ट सिटी योजना के साथ कानपुर अब विभिन्न खेलों के लिए जाना जाता है, जहां ग्रीन पार्क स्टेडियम वर्तमान में क्रिकेट के साथ ही बैड मिन्टन, टेबिल टेनिस, बास्केट बॉल की मेजबानी करता है और अत्याधुनिक जिम, विजिटर गैलरी की सुविधा भी देता है, तो वही पालिका स्टेडियम भी 22 ओलम्पिक खेलों की मेजबानी कर रहा है। निजी दौरे पर शहर आये मुख्यमंत्री के सलाहकार व पूर्व अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी अपनी पत्नी पद्मश्री मालिनी अवस्थी, जो विश्व विख्यात लोक गायिका भी है, के साथ द स्पोर्ट्स हब को देर रात देखने पहुंचे। यहां उन्होंने मंडलायुक्त व कानपुर स्मार्ट सिटी के चेयरमैन डॉ. राज शेखर के साथ टीएसएच का बारीकि से निरीक्षण किया और यहां उपलब्ध प्रत्येक खेल सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की ।इस दौरान उन्होंने स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट द स्पोर्ट्स हब में संचालित सभी 22 खेलों की सुविधाओं को देखा और शूटिंग रेंज में निशाने भी साधे। टीएसएच का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री अवस्थी ने स्मार्ट सिटी के इस प्रोजेक्ट की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुये कहा कि देश के हर शहर में कानपुर के टीएसएच जैसे स्पोटर्स कॉम्पलेक्स का निर्माण होना चाहिये ।श्री अवस्थी ने कहा कि कमिश्नर डॉ. राज शेखर के साथ द स्पोर्ट्स हब देखने का अवसर मिलने से उन्हे बेहद खुशी हुई है। इसके लिये श्री अवस्थी ने मंडलायुक्त डा. राजशेखर के प्रयासों की सराहना करते हुये उन्हें बधाई भी दी। उन्होंने खेलों के प्रति अपनी रुचि व दिलचस्पी को उजागर करते हुये कहा कि ''मुझे यकीन है कि युवाओं के साथ ही बुजुर्गों के लिये भी टीएसएच उपयोगी है और वह यहां की खेल सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे, यह उनके स्वास्थ्य की भलाई के लिए होगा टी0एस0एच0 प्रोजेक्ट कर निर्माण कानपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के तहत हुआ है और देश के अन्य शहरों में भी इसके जैसा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का निर्माण किया जाना चाहिये। यह एक ऐसा स्थान भी है, जहां स्वस्थ समाज के लिए आपस में एक अच्छा वातावरण बनाने के लिए युवा और वृद्ध आ सकते हैं और सामूहीकरण कर सकते हैं। उन्होनें कहा-卐मेरा दृढ़ मत है कि बच्चे मनोरंजन के रूप में मोबाइल का उपयोग करने से बचें और टीएसएच में जाकर खेल को करियर के रूप में लेने की संभावना तलाश सकते हैं ।उन्होंने कहा कि यह एक बेहतरीन काम्प्लेक्स बना हैं, जिससे न केवल शहर को खेल के क्षेत्र में जाना जायेगा बल्कि विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मेडल लाने में अपनी अहम भूमिका निभायेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को जब इस प्रोजेक्ट के पी0पी0पी0 मॉडल के संचालन के बारे में मालूम चला, तो उन्होंने इस मॉडल की प्रशंसा की ।उन्होंने यह भी कहा कि हर जिले में इसी मॉडल पर टी0एस0एच0 (द स्पोर्ट्स हब) की स्थापना की जानी चाहिए।

उन्होने कहा कि वह मुख्यमंत्री से आग्रह करेंगे कि वह जल्द ही द स्पोर्ट्स हब, कानपुर का विजिट करें। उन्होंने विकासकर्ता/निर्माण एजेंसी एम0एच0पी0एल0, इण्डिया के प्रतिनिधि से बिल्डिंग की टैक्नोलॉजी के बारे में जानकारी प्राप्त की और एम0एच0पी0एल0 को 18 के इस प्रोजेक्ट को 14 महीने में पूर्ण करने के लिए उनकी तारीफ की। उन्होंने यह भी कहा कि द स्पोर्ट्स हब के पीछे स्थित पालिका स्टेडियम के ग्राउण्ड जो वर्तमान में अत्यन्त जर्जर स्थिति में हैं, उसको भी पी0पी0पी0 मॉडल पर विकसित किया जाना चाहिए, ताकि एक ही स्थान पर ज्यादा से ज्यादा खेल खेलें जा सके। उन्होंने द स्पोर्ट्स हब के निदेशक एवं ट्रांस स्टेडिया, अहमदाबाद के निदेशक पी0के0 श्रीवास्तव से इसका रेवेन्यू मॉडल भी समझा।

मस्तिष्क की बीमारी के आधुनिकतम इलाज पर दिया व्याख्यान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। चालीसवां आईएमए सीजीपी कार्यक्रम का भव्य उद्घाटन जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज मैं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. विनय पाठक व कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ ऑनर शहर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक रंजन व संरक्षक डॉ संजय काला प्रधानाचार्य मेडिकल कॉलेज के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ।

उद्घाटन के बाद शैक्षणिक कार्यक्रम का पहला चरण चालू हुआ। जिसमें राजधानी दिल्ली के मैक्स हॉस्पिटल से आए हुए डॉ पुनीत अग्रवाल जो कि देश के प्रमुख मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ (न्यूरोलॉजिस्ट) हैं ।उन्होंने मस्तिष्क की एक खतरनाक बीमारी फालिज यानी स्ट्रोक और अबनॉर्मल मूवमेंट जैसी जटिल समस्या के आधुनिकतम इलाज व जांच के बारे में व्याख्यान दिया ।उन्होंने फालिज/ लकवा जैसी गंभीर बीमारी को समय से पहचानने और समय से इलाज शुरू करने पर बल दिया। दवाइयों के अलावा सोनो थ्रंबोलाइसिस यानी अल्ट्रासाउंड और दवा के मिश्रित उपयोग व दवा से थ्रंबोलाइसिस द्वारा समय रहते हैं मस्तिष्क के नुकसान को बचाने के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम के चेयरपर्सन डॉ कुणाल सहाय व डॉ. बीपी राठौर थे ।डॉ कुणाल सहाय ने फिजिशियंस को इस बीमारी को कम से कम समय में शक कर उसको सही व सफल उपचार के बारे में बताया, डा. बीपी राठौड़ ने शहर में उपलब्ध इस बीमारी की नवीनतम जानकारी दी। कार्यक्रम में शहर के अध्यक्ष डॉ. पंकज गुलाटी ने बताया की कार्यक्रम के असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. जे एस कुशवाहा और डॉ. गणेश शंकर, सेक्रेटरी सीजीपी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में जी जान से मेहनत की है। देश के प्रमुख वक्ताओं को इस कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए बुलाया है। सेक्रेटरी डॉ अमित सिंह गौर, साइंटिफिक सेक्रेटरी डॉक्टर शिवांशु मिश्रा, फाइनेंस सेक्रेटरी डॉ आशीष मिश्रा मौजूद रहे ।इस कार्यक्रम में शहर के प्रमुख डॉ. एसी अग्रवाल, डॉ. रिता मित्तल, डॉ. एसके मिश्रा, डॉ.आरती लालचंदानी, डॉ. पीसी बाजपेई आदि थे ।

मन की बात के 100 वें संस्करण को सुनकर मार्ग दर्शन किया प्राप्त

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।लोकसभा क्षेत्र के गोविंदनगर विधानसभा के रामलला मण्डल के अंतर्गत बूथ संख्या-92, बांके बिहारी गेस्ट हाउस, पक्का तालाब मसवानपुर में वार्ड-08 पार्षद प्रत्याशी मंजू कुशवाहा एवं समस्त क्षेत्रवासियों के साथ देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के 100 वें संस्करण को सुनकर इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बना एवं प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन प्राप्त किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उत्तर जिलाध्यक्ष सुनील बजाज, विजय मिश्रा, पार्षद प्रत्याशी मंजू कुशवाहा, अशोक तिवारी, प्रदीप अग्निहोत्री,सर्वेश कटियार, राकेश श्रीवास्तव, रजनीश राजपूत, दीपक कुशवाहा एवं क्षेत्र की सम्मानित जनता उपलब्ध रही।

भेदभाव पूर्ण रवैए के विरुद्ध पूर्व सैनिकों ने सांसदों को सौंपा ज्ञापन

बीपीएस न्यूज

कानपुर । ओआरओपी की विसंगतियों और अधिकारियों द्वारा जेसीओ, ओआर के साथ भेदभाव पूर्ण रवैए के विरुद्ध पूर्व सैनिकों के द्वारा पूरे देश एवं जंतर मंतर में धरना प्रदर्शन चल रहे है ,इसी कड़ी में पूर्व सैनिक संगठनों अपने कानपुर जनपद के क्षेत्रीय सांसद सत्य देव पचौरी और देवेंद्र सिंह भोले को उनके कैंप कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। इस दौरान संगठनों के सभी प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों नेदेन ज्ञापन को शांतिपूर्ण तरीके से देने एवं पूर्ण अनुशासन का पालन किया ।जो सराहनीय है ।इससे पूर्व सभी पूर्व सैनिक संगठन डबल पुलिया काकादेव में इकट्ठे हो पैदल मार्च करते हुए दोनों सांसदों के कैंप कार्यालय में पहुंचें और अपना ज्ञापन सौंपा, दोनो ही सांसदों ने पूर्व सैनिकों का स्वागत किया, एवं उनको आश्वाशन दिया कि आपका यह ज्ञापन संसद में प्रस्तुत किया जाएगा एवं प्रधान मंत्री कार्यालय को भी प्रेषित किया जाएगा इस अवसर पर विशेष रूप से ज्ञापन देने वालो में संयोजक कैप्टन अवधेश त्रिपाठी , कैप्टन एस पी सिंह ,कैप्टन रविंदर सिंह पूर्व सैनिक संगठन संयोजकसुबेदार मेजर के के ,सुबेदार मेजर बी एस बघेल प्रदेश महासचिव इंडियन वेटरन ऑर्गेनाइजेशन जिला अध्यक्ष जीडी पाल ,राजेंद्र सिंह चंदेल,के पी एस चौहानअध्यक्ष पूर्वसैनिक संयुक्तसंगठन ,कैप्टनरविन्द्र सिंह सुबेदार ए के सिंह उपाध्यक्ष पूर्व सैनिक परिषद सहित तमाम पूर्व सैनिक शामिल रहे।

मोबाइल पाकर खिले चेहरे, भूरि भूरि की प्रशंसा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे एस0 के0 भगत द्वारा दिये गये मार्गदर्शन के क्रम में पुलिस महानिरीक्षक रेलवे एस0 के0 सिंह व पुलिस उपमहानिरीक्षक रेलवे अनन्त देव के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज अष्टभुजा प्रसाद सिंह द्वारा गुमशुदा मोबाइल की बरामदगी में चलाये गये अभियान के अन्तर्गत, पुलिस उपाधीक्षक रेलवे कानपुर प्रयागराज सुनीता सिंह निकट पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी जीआरपी कानपुर सेन्ट्रल रामकृष्ण द्विवेदी के कुशल नेतृत्व में गठित टीम द्वारा विभिन्न कम्पनीयों के 61 अदद गुमशुदा मोबाइल फोनों को सर्विलांस सेल की मदद से बरामद किये गये है, सम्बन्धित आवेदक गणों को बुलाकर उन्हें उनके सुपुर्द किया गया। जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 1050000/- रुपये है। मोबाइल पाकर आवेदक गणों के चेहरे खिल उठे तथा उन्होंने जीआरपी पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा।

मुर्दा कैसे देगा मजिस्ट्रेट के सामने पेश होकर जवाब?

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। सजेती थाना के कुआं खेड़ा चौकी क्षेत्र गांवअसधना का मुर्दा कर रहा शांति भंग,सजेती थाना की कुआं खेड़ा चौकी पुलिस ने मुर्दे पर शांति भंग की कार्यवाही करके अपनी कार्यशैली से सुर्खियों मे है।

अब वह मरा हुआ व्यक्ति मजिस्ट्रेट के सामने पेश होकर जवाब देगा! इस बात कि जानकारी तब हुई जब पुलिस नोटिस लेकर गांव पहुंची। मुर्दे से शांति भंग का डर, नोटिस देख पड़ोसी बोले 15 साल पहले मर गए थे,सजेती पुलिस अपने कारनामें के चलते सुर्खियों मे बनी रहती है। यहां पर पुलिस की कार्यशैली का एक चौंका देने वाला मामला सामने आया है। सजेती थाना क्षेत्र के असधना गांव निवासी कृष्णबली ने बताया कि पट्टा कि जमीन को लेकर उनका गांव के ही रहने वाले प्रकाश नारायण, उदयनारायण पुत्रगण उदयनारायण मुकेश पुत्र दयाराम और लालता पुत्र राजाराम से कई वर्ष पहले से विवाद चल रहा था। रविवार को सजेती पुलिस मृतक लालता के घर पर नोटिस लेकर पहुंची वहां पर मिले मृतक लालता के बेटे हरीशकर ने पुलिस को बताया कि उनके पिता कि मौत लगभग पंद्रह वर्ष पहले हुई है। अब वह मारा हुआ व्यक्ति मजिस्ट्रेट के सामने पेश होकर जवाब देगा! इस बात से क्षेत्र मे कुआं खेड़ा चौकी पुलिस फ़जीहत हो रही है। हलाकि पुलिस अपनी गलती भी स्वीकार कर रही है। जब इस बात की जानकारी उच्चधिकारियों तक पहुंची तो उन्होंने सजेती थानाध्यक्ष पवन कुमार से जानकारी ली है। सजेती थानाध्यक्ष पवन कुमार ने बताया कि दरोगा को मृतक ने बेटे हरिशंकर ने पिता कि मौत होने की जानकारी नहीं दी, जिसके चलते गलती से मृतक के नाम शांति भंग की कार्रवाई हुई है।

दरोगा बोले गलती हो गई साहब

मामला अधिकारियों के संज्ञान मे आने के बाद सजेती थाने में काना फूसी शुरू हुई। घाटमपुर एसीपी दिनेश कुमार शुक्ला ने सजेती थानाध्यक्ष पवन कुमार से जानकारी ली तो थानाध्यक्ष ने चौकी प्रभारी से बात की तो दरोगा ने कहा साहब गलती हो गई। बेटे ने पिता की मौत होने की बात नहीं बताई थी, जिसके चलते शांति भंग की कार्रवाई हो गई।

चेन लूट करने वाला शातिर अरेस्ट, भोर में महिला को बनाते थे शिकार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। महिला की चेन लूटने वाले कार सवार लुटेरों को अरेस्ट कर लिया। इसके साथ ही कार व लूट की चेन भी बरामद कर ली है। कोर्ट में पेश करने के बाद शातिर लुटेरे को जेल भेजा जाएगा।

डीसीपी सेंट्रल प्रमोद कुमार ने बताया कि 26 अप्रैल की सुबह 3ः15 बजे कार से चेन लूट हुई। घटना के अनावरण के लिए कई टीमों का गठन किया गया था। टीमो द्वारा कड़ी मेहनत करते हुए नगर निगम कार्यालय मे लगे आईटीएमएस कॅमरो को चैक किया गया तो वाहन के कुछ नम्बर प्रकाश में आये जिसके आधार पर बारजोड़ टोल प्लाजा कानपुर देहात पर गाड़ी को सीसीटीवी में चैक किया गया तो गाड़ी का पूरा नम्बर प्रकाश में आया। अभियुक्त को पुलिस शुक्रवार को सम्बन्धित वांछित अभियुक्त विराज शुक्ला उर्फ मृदुल को अरेस्ट कर लिया। उसके पास से लूट की चेन भी बरामद हो गई ।पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि मैं चार पहिया गाड़ी से सुबह-सुबह टहलने वाली महिलाओं के पीछे-पीछे रेकी करता है। जब सुनसान जगह मिलती है तो चैन व अन्य कीमती गहने लूट लेता था। बुधवार को सुबह लगभग 5.15 बजे निगम चौराहे के पास चैन छीनी थी।

बारिश में पूर्व नियोजित प्रचार हुआ धाराशाही

बीपीएस न्यूज

कानपुर। रविवार का दिन प्रत्याशियों के लिए मनमुताबिक नहीं रहा, सुबह से बारिश की भेंट चढ़ गया ।सभी के पूर्व नियोजित कार्यक्रम बारिश की वजह से धाराशाही हो गये।

समाजवादी पार्टी नगर निगम में महापौर प्रत्याशी वंदना बाजपेई व विधायक अमिताभ बाजपेई ने फजलगंज में वार्ड प्रत्याशी संजय सोनकर के कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया। 93 गोविंद नगर में कार्यालय का उद्घाटन किया एवं वार्ड प्रत्याशी सरदार गगनदीप सिंह के साथ गुरुद्वारे में अपनी अरदास लगाई। इसके उपरांत वंदना बाजपेई ने वार्ड नंबर 65 नौबस्ता पूर्वी वार्ड 66 पशुपति नगर वार्ड 70 जाजमऊ वार्ड 3 चुन्नीगंज वार्ड नंबर सीसामऊ उत्तरी वार्ड 71 सीसामऊ दक्षिणी एवं वार्ड नंबर 107 चमनगंज में जनसंपर्क के दौरान महिलाओं ने वंदना बाजपेई को फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर महापौर प्रत्याशी वंदना बाजपेई ने अपने संबोधन में कहा कि नगर नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार को समाप्त कर एवं शहर की जनता की मूलभूत समस्याओं पर ध्यान देकर प्राथमिकता के आधार पर कार्य निपटाने का भरपूर प्रयास करूंगी। इस मौके पर विधायक अमिताभ बाजपेई, मो. हसन रूमी, बंटी सेंगर, मिंटू यादव आदि मौजूद रहे।

घाटमपुर में अकाशीय बिजली गिरने से तीन मोरों की मौत

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। धरमंगदपुर गांव के गरज चमक के साथ बगीचे मे पीपल के पेड़ पर अकाशीय बिजली गिर गई। बिजली के चपेट मे आने से तीन मोर कि मौके पर मौत हो गई। ग्रामीणों कि पुलिस और वन विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची वन विभाग कि टीम ने तीनों मोर का पोस्टमार्टम करवाकर ससम्मान जमीन मे दफ़न करवाया गया है। घाटमपुर थाना क्षेत्र के धरमंगदपुर गांव निवासी शिवविजय सिंह उर्फ पिंटू सिंह ने बताया कि शुक्रवार दोपहर तेज हवा के बीच हल्की बारिश हो रही थी। इस दौरान गांव के किनारे स्थित उनके बगीचे मे लगे बोरवेल के पास स्थित पीपल के पेड़ में तेज आवाज के साथ अकाशीय बिजली गिर गई। अकाशीय बिजली की चपेट मे आने से तीन मोरों की मौत हो गई। ग्रामीणों ने राष्ट्रीय पक्षी मोर को बगीचे मे मृत पड़ा देखा तो वन विभाग व पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते मौक़े पर वन रक्षक अमित कटियार ने तीनों मृत मोरों को लेकर पतारा पशु अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टर ने मृत मोरों का पोस्टमार्टम किया गया जिसके बाद तीनों मोरों को ससम्मान जमीन मे दफन कर दिया, वन रक्षक अमित कटियार ने बताया कि मोरों का पोस्टमार्टम करवाने के साथ ससम्मान जमीन मे दफ़न करवा दिया गया है।

बीएसपी प्रत्याशी ने जनता से मांगा आशीर्वाद

कानपुर। बहुजन समाज पार्टी के कानपुर नगर निगम चुनाव के वार्ड में कार्यालय उद्घाटन किए गए। जिसमे वार्ड 35 कल्याणपुर उतरी से अंकुर तिवारी, वार्ड 37 अशोक नगर से अनिल बाल्मिकी, वार्ड 73 सिविल लाइंस से राज विमल, वार्ड 23 कल्याणपुर आवास विकास से सतीश कुमार, वार्ड 52 गीता नगर से मुशीर खान के कार्यालय का उद्घाटन किया गया। महापौर प्रत्याशी अर्चना निषाद एवं जिलाध्यक्ष बबलू चौधरी, उपाध्यक्ष इमरान हाशमी, महासचिव रामनारायण निषाद, कोषाध्यक्ष सुनील गुप्ता, जिला सचिव हरि कृष्ण ब्रहमा, राकेश बादल, विधानसभा अध्यक्ष संदीप, कुरील अशोक पुष्कर, पूर्व जोन इंचार्ज कानपुर मंडल, राजेश कमल, जेडी गौतम, मोनू खान, अंकित दीक्षित, अमर सिंह, मोहित कठेरिया, श्याम सागर, सौरभ कुशवाह आदि पार्टी के सम्मानित साथी उपस्थित रहे। महापौर प्रत्याशी ने गीता नगर, सिविल लाइंस, राम नारायन बाजार पटकापुर, नानकारी में पैदल चलकर जनता से आशिवाद मांगा। इसी क्रम में पटकापुर में कुरील धर्मशाला में बैठक कर कार्यकताओं को संबोधित किया, वहां पर रज्जन बहेलिया, राजेंद्र धूसिया, अन्नु कश्यप, राजू कश्यप, अमित यादव, शीजन खान, आदि प्रमुख साथी उपस्थित रहे।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।